हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I.No.-UPHIN/2012/47484

जन नायक सम्राट

सच के साथ : सच्ची बात

www.jnsnews24.com

jnsnews24aligarh@gmail.com

वर्ष : 11 अंक : 40 | अलीगढ़, बुधवार, 22 नवम्बर 2023 | पृष्ठ : 4, मूल्य : 2 रूपये

गोपाष्टमी पर्व पर योगी व अखिलेश ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्य्यमंत्री योगी आदित्य्यनाथ ने सोमवार को गोपाष्टमी के पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। सीएम ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए गोमाता और गोवंशों की सेवा तथा उनके संरक्षण के लिए संकल्पित होने का आह्वान किया। योगी आदित्यनाथ ने पर लिखा "भारत की आस्था और अर्थव्यवस्था की धुरी, आध्यात्मिक–सांस्कृतिक उन्नति की आधार, सर्वसुखदायिनी गोमाता की आराधना के पर्व गोपाष्टमी पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं! आइये, इस पावन अवसर पर गोमाता और गोवंशों की सेवा व उनके संरक्षण के लिए संकल्पित हों। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि 'गोपाष्टमी के पावन पर्व पर भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करे कि गोमाता सहित समस्त गोवंश उनके राज में सड़कों पर न भटकें और वाहनों आदि से टकरा कर घायल न हों। उन्होंने कहा, भाजपा के राज में छुट्टा पशुओं और महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी व अपराध में एक सीधा संबंध है। ये सब बेतहाशा बढ़ रहे हैं और इन सबके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार भी है और बेपरवाह भी है। ये 'पांच समस्याएं विकराल रूप धारण कर रही हैं और भाजपा सरकार प्रचार के नाम पर केवल अखबारों या होर्डिंग की तस्वीरों में ही सिमटकर रह गयी है। वह कहीं नजर नहीं आ रही है।

धर्म के नाम पर वोट मांगने वाले काम के आधार पर वोट नहीं मांग सकते : प्रियंका गांधी

अजमेर(एजेंसी) । कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को कहा कि जो लोग धर्म या जाति के नाम पर वोट मांगते हैं, वे अपने काम के आधार पर वोट नहीं मांग सकते। प्रियंका ने केकड़ी (अजमेर) में चुनावी जनसभा में यह बात की। मुख्य विपक्षी दल भाजपा पर एक तरह से निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "धर्म की बात, जाति की बात चुनाव के समय क्यों होती है? जो नेता चुनाव के समय यह बात कर रहा है इसका मतलब है कि इसके आधार पर वोट मांग रहा है। वह कह रहा है कि धर्म या जाति के आधार पर वोट दो, तो इसका मतलब है कि वह काम के आधार पर वोट नहीं मांग सकता। उन्होंने लोगों से जागरूकता के साथ और सरकार के काम के आधार पर मतदान करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनावी रणभूमि में उतरे हैं जबकि यहां भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह बिखरी हुई है। उन्होंने कहा कि पार्टी के बड़े बड़े स्थानीय नेताओं को किनारे कर दिया गया है। प्रियंका ने आरोप लगाया कि भाजपा की नीति बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने की है, वह गरीबों और मध्यम वर्ग के बारे में नहीं सोचती। उन्होंने कहा, आपसे खींचना और बड़े–बड़े उद्योगपतियों को सींचना। यह उनकी नीति है।‚ कांग्रेस नेता ने लोगों से पार्टी के

उम्मीदवारों को जिताने की अपील करते हुए आगाह किया कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो वह मौजूदा कांग्रेस सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाएं बंद कर देगी। उन्होंने कांग्रेस सरकार द्वारा दी जा रही दस गारंटियों का भी जिक्र किया। कांग्रेस ने राज्य में सात गारंटियों की घोषणा करते हुए कहा है कि दोबारा सत्ता में आने पर वह इन्हें लागू करेगी। इन सात गारंटियों में परिवार की महिला मुखिया को 10,000 रुपये की वार्षिक सम्मान राशि देना, 1.05 करोड़ परिवारों को 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देना, पशुपालकों से दो रुपये प्रति किलो की दर से गोबर की खरीद, सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना का कानून बनाना, सरकारी कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को टैबलेट या लैपटॉप देना शामिल है। भष्टाचार से बड़ा कुछ भी नहीं है। यहां की कांग्रेस सरकार के लिए परिवारवाद ही सबकुछ है। उन्होंने आरोप लगाया, "दलितों के खिलाफ अत्याचार करने वालों को देखकर कांग्रेस आंखों पर पट्टी बांध लेती है। यहां राजस्थान में पांच वर्ष तक दलित परिवारों के साथ हुए अत्याचार पर कांग्रेस ने यही किया है। महिला विरोधी कांग्रेस कभी महिलाओं का कल्याण और उनकी सुरक्षा नहीं कर सकती। कांग्रेस ने राजस्थान को महिलाओं के खिलाफ अपराध में नंबर एक बना दिया है। मोदी ने यह भी आरोप लगाया "कांग्रेस व इसके घमंडिया साथियों की सोच महिला विरोधी है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होना है। मोदी ने कहा, "पिछले कुछ दिनों से मैं राजस्थान में जहां जहां गया हूं, वहां एक स्वर में एक ही आवाज सुनाई दे रही है–जन जन की है यही पुकार, आ रही है भाजपा सरकार।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ छठ का महापर्व, 36 घटे के बाद खोला गया निर्जला व्रत

प्रयागराज (एजेंसी) । संतान की सुख–समृद्धि एवं दीर्घायु को लेकर 4 दिवसीय छठ महापर्व सोमवार को संगम तट पर उदयाचल सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। प्रयागराज, जौनपुर, वाराणसी, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया और लखनऊ समेत समूचे उत्तर प्रदेश मे लोकआस्था के महापर्व छठ के चौथे दिन सप्तमी के उदयाचल सूर्य को अर्घ्य देने के लिए श्रद्धालु नदियों, पोखरों और तालाबों के किनारे उमड़ पड़े। महिलाओं ने परिवार के साथ वेदियों पर छठी मैया को धूप, दीप, नैवेध, फल, शाक सहित अन्य सामग्री अर्पित की। उदयाचल सूर्य के साथ व्रती महिलाएं जल में खड़े होकर अर्घ्य देने का सिलसिला शुरू किया। भगवान भास्कर से संतान प्राप्ति, समृद्धि सहित सुहाग की सलामती की दुआ की। अर्घ्य देने और पूजा करने के बाद प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का छठ मइया का निर्जला व्रत पूरा किया। बिहार से शुरू हुई छठ पूजा आज पूरे भारत की पहचान है। प्रयागराज से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर प्रातरूकाल से व्रत करने वाली महिलाएं सूर्य भगवान

के उदय होने की प्रतीक्षा कर रही थी। आस्था के पर्व छठ पूजा के चार दिनों के कठोर व्रत परायण का पारंपरिक रीति रिवाज के साथ तीन दिनों तक व्रती महिलाओं ने छठ मैया का पूजन किया। चौथे दिन उन्होंने उगते सूर्य को आखिरी अर्घ्य देकर परिवार की सुख–समृद्धि की मनोकामना की। संगम तट पर कुछ विदेशियों को भी छठ पूजा में महिलाओं के अर्घ्य देने की फोटो के लिए उनको देखा गया। मान्यता है कि छठ व्रत रखने वाली महिलाओं को छठी मैया संतान प्राप्ति का वरदान देती हैं और संतानवान व्रतियों को संतान के कल्याण का आशीर्वाद देती हैं। यह पर्व वर्ष में 2 बार मनाया जाता है। पहली बार चौत्र में और दूसरी बार कार्तिक में। चौत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले छठ पर्व को चौती छठ और कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी पर मनाये जाने वाले पर्व को कार्तिक छठ कहा जाता है। पारिवारिक सुख–समृद्धि तथा मनोवांछित फल प्राप्ति के लिए यह पर्व मनाया जाता है। स्त्री और पुरुष समान रूप से इस पर्व को मनाते हैं। जल पुलिस प्रभारी जनार्दन प्रसाद साहनी ने बताया कि छठ पूजा पानी में खड़े होकर की जाती है। ऐसे में पानी में तेज बहाव से बहने एवं हादसे की संभावना भी रहती है। इसके लिए प्रशासन की ओर से विशेष प्रबंध किए थे। सुरक्षा के लिए जल पुलिस गोताखोर व पीएसी की टीम रात भर तैनात रही। प्रातरूकाल से टीम के सदस्यों ने पानी में बोट एवं किश्तियां लेकर चक्कर लगाने शुरू कर दिए थे। उन्होंने बताया कि उनकी टीम के सदस्य लोगों को गहरे पानी में जाने से रोक रही थी, ताकि किसी प्रकार की अनहोनी होने से बचा जा सके। इस दौरान लोगों ने भी उनका सहयोग किया और हर्षोल्लास का पर्व बिना अनहोनी के संपन्न हुआ।

अशोक गहलोत का बीजेपी पर तीखा वार कहा, सभी नेताओं की भाषा एक जैसी, मुद्दों की बात ही नहीं करते

जयपुर(एजेंसी) । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को कहा कि राज्य में चुनाव प्रचार के लिए आ रहे भारतीय जनता पार्टी के सभी नेताओं की भाषा एक जैसी है और वे मुद्दे की बात ही नहीं करते। इसके साथ ही गहलोत ने कहा कि अगर केंद्र सरकार पेट्रोल के दाम कम करना चाहती है तो उसे उत्पाद शुल्क घटाना चाहिए। गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा, "भाजपा के जितने भी नेता आ रहे हैं.. चाहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हों, गृह मंत्री अमित शाह हों या कोई केंद्रीय मंत्री या अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री हों, ... सबके भाषण एक जैसे ही हैं। पांच साल में हमने दलितों, पिछड़ों, युवाओं और किसानों के लिए जो काम किया, उस पर कोई बहस नहीं हो रही। गहलोत ने कहा, "उस पर वह नहीं बोलेंगे। वे खाली गैर मुद्दोंश को मुद्दा बना रहे हैं... वे एक ही भाषा बोल रहे हैं। भड़काने वाली भाषा, जो लोकतंत्र के हित में नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित रोड शो के बारे में गहलोत ने कहा, "यह सब दिखावा है उनका। कई राज्यों में रोड शो कर चुके हैं... हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में मार खा गए। बजरंग बली, बजरंग बली बोले थे ...बजरंगबली ने ही उन्हें अस्वीकार कर दिया कि आप मेरे नाम का दुरुपयोग क्यों कर रहे हो। वहां कामयाब नहीं हो पाए...। गहलोत ने कहा " भगवान भी समझते हैं कि हद हो गई है, मैं सबके लिए हूं, सबके घर घर में हूं और ये लोग, ये पार्टी मेरा ही दुरुपयोग कर रही है। कब तक बर्दाश्त करेंगे वे? मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सीमावर्ती गंगानगर जैसे जिलों में पेट्रोल के दाम पड़ोसी पंजाब व हरियाणा से अधिक होने का अहसास राज्य सरकार को है ।

केंद्र सरकार, केरल के राज्यपाल कार्यालय को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नयी दिल्ली(एजेंसी) । उच्चतम न्यायालय ने केरल विधानसभा से पारित विधेयकों को मंजूरी देने में अनिश्चितकालीन देरी मामले में सोमवार को वहां के राज्यपाल कार्यालय और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने केरल सरकार की ओर से दायर रिट याचिका पर केंद्र सरकार और राज्यपाल के प्रधान सचिव को जवाब–तलब किया। पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से भी अदालत की सहायता करने को कहा। केरल सरकार ने यह आरोप लगाते हुए एक याचिका दायर की थी कि राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने में अनिश्चितकालीन की देरी कर रहे हैं। केरल सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील के के वेणुगोपाल ने पीठ के समक्ष कहा कि आठ विधेयकों में से कुछ सात महीने से और कुछ तीन साल से लंबित हैं। शीर्ष अदालत इस मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को करेगी।

गौरतलब है कि इस मामले पर पंजाब और तमिलनाडु के बाद केरल शीर्ष अदालत में रिट याचिका दायर करने वाला तीसरा विपक्षी शासित राज्य है। तेलंगाना सरकार ने भी अप्रैल में इसी तरह की याचिका दायर की थी। अपनी याचिका में केरल सरकार ने यह घोषणा करने की मांग शीर्ष अदालत से की कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत विवेकाधीन शक्ति का प्रयोग किए बिना विधेयकों को अनिश्चितकाल तक रोकने का राज्यपाल का कदम सरकार और लोकतांत्रिक संविधानवाद और संघवाद के सिद्धांत के खिलाफ है।याचिका में कहा गया है कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित और संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनकी सहमति के लिए राज्यपाल को प्रस्तुत किए गए आठ विधेयक लंबित थे। इनमें से तीन विधेयक दो साल से अधिक समय से लंबित हैं, जबकि तीन पूरे एक वर्ष से अधिक समय से लंबित हैं। याचिका में कहा गया है, "राज्यपाल के आचरण (विधायकों पर फैसला नहीं करना) से कानून के शासन और लोकतांत्रिक सुशासन सहित हमारे संविधान के मूल सिद्धांतों और बुनियादी आधारों को नष्ट करने और नष्ट करने का खतरा है। इसके अलावा लागू किए जाने वाले कल्याणकारी उपायों के लिए राज्य के लोगों के अधिकारों को भी नुकसान पहुंचता है। याचिका में कहा गया है, "ऐसा प्रतीत होता है कि राज्यपाल का मानते है कि विधेयकों को मंजूरी देना या अन्यथा उनसे निपटना उनके पूर्ण विवेक पर सौंपा गया मामला है और जब भी वे चाहें इस पर निर्णय ले सकते हैं।" याचिका में कहा गया, यह संविधान का पूर्ण विध्वंस है। याचिका में कहा गया है, "विधेयकों को लंबे और अनिश्चित काल तक लंबित रखने का राज्यपाल का आचरण भी स्पष्ट रूप से मनमाना है और संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। इसके अलावा यह संविधान के अनुच्छेद उच्च 21 के तहत केरल राज्य के लोगों के अधिकारों को उन्हें कल्याणकारी कानून के लाभों से वंचित करके भी पराजित करता है।

भारतीय जीडीपी के 4 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने के दावे को कांग्रेस ने बताया फर्जी

नयी दिल्ली(एजेंसी) । कांग्रेस ने सोमवार को केंद्र सरकार के इस दावे की आलोचना की कि भारत की जीडीपी चार ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गई है, यह दावा पूरी तरह से फर्जी है, जिसका उद्देश्य अधिक उत्साह पैदा करना और चापलूसी और हेडलाइन प्रबंधन का प्रयास है। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा, कल दोपहर 2.45 बजे से शाम 6.45 बजे के बीच, जब पूरा देश क्रिकेट मैच देखने में मशगूल था, तब राजस्थान और तेलंगाना के वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और साथ ही प्रधानमंत्री के सबसे चहेते कारोबारी समेत मोदी सरकार के कई धुरंधरों ने ट्वीट किया कि भारत की जीडीपी का साइज पहली बार 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया।राज्यसभा सांसद रमेश ने कहा, ‟यह पूरी तरह से फर्जी खबर थी, जिसका उद्देश्य अधिक उत्साह पैदा करना और चाटुकारिता और हेडलाइन प्रबंधन का प्रयास था।उनकी टिप्पणी केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और महाराष्ट्र

के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस ट्वीट के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर गई है। एक्स पर एक पोस्ट में, शेखावत ने कहा था, भारत के लिए वैश्विक गौरव का क्षण है क्योंकि हमारी जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नए भारत का उदय वास्तव में अद्वितीय है। फडणवीस ने कहा, ‟गतिशील, दूरदर्शी नेतृत्व ऐसा दिखता है। खूबसूरती से प्रगति कर रहा हमारा नया भारत ऐसा ही दिखता है! मेरे साथी भारतीयों को बधाई, क्योंकि हमारा देश चार ट्रिलियन डॉलर जीडीपी का मील का पत्थर पार कर गया है।

मजदूरों को सुरक्षित निकाला जाएगा बाहर, पीएम मोदी ने की सीएम धामी से की फोन पर बात

नयी दिल्ली(एजेंसी) । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात करके उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में निर्माणाधीन सिल्क्यारा सुरंग में पिछले आठ दिनों से फंसे श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए जारी बचाव और राहत कार्यों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उनसे कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बचाव कार्य में उपयोग के लिए आवश्यक उपकरण व संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं और केंद्र और राज्य की एजेंसियों के परस्पर समन्वय से श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने फंसे श्रमिकों का मनोबल बनाए रखने की जरूरत पर भी जोर दिया । मुख्यमंत्री ने मोदी को अद्यतन स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य और केंद्र की विभिन्न एजेंसियां विशेषज्ञों की राय लेकर परस्पर समन्वय और तत्परता के साथ राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि सुरंग में फंसे श्रमिक सुरक्षित हैं और उन्हें ऑक्सीजन, पौष्टिक भोजन और पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। धामी ने उन्हें यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण किया है और बचाव कार्यों पर भी लगातार नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सुरंग के अंदर फंसे सभी मजदूर सुरक्षित हैं और उन्हें जल्द बाहर निकलने की पूरी कोशिश की जा रही है। उन्होंने

बताया कि मौके पर कई मेडिकल टीम तैनात कर दी गई हैं। 12 नवंबर को दीवाली वाले दिन हुए सुरंग हादसे के बाद से अब तक प्रधानमंत्री तीन बार मुख्यमंत्री से स्थिति की जानकारी ले चुके हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय की टीम भी मौके का निरीक्षण कर चुकी है और लगातार स्थिति पर नजर बनाये हुए है। महत्वाकांक्षी चारधाम सड़क परियोजना के तहत यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रही साढ़े चार किलोमीटर लंबी सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा ढहने से उसके अंदर काम कर रहे 41 श्रमिक फंस गए जिन्हें निकाले जाने के लिए युद्धस्तर पर बचाव और राहत अभियान जारी है।

विशाखापट्टनम पोर्ट पर लगी भीषण आग, 15 नौका जलकर हुई खाक

विशाखापट्टनम (एजेंसी) ।आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में सोमवार तड़के एक घाट क्षेत्र में आग लगने से मछली पकड़ने वाली कम से कम 15 नौका जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि देर रात करीब एक बजे लगी आग पर सुबह चार बजे तक काबू पा लिया गया।

सम्पादकीय

दुबई झमाझम बारिश

प्रकृति पर पार पाना मनुष्य के लिए कभी संभव नहीं रहा है परन्तु प्रकृति का दोहन करना उसके बस में अवश्य रहा है। भौतिकतावादी आर्थिक विकास की दौड़ के मूल में प्रकृति का अधिकाधिक दोहन ही छिपा हुआ है। इसके बावजूद प्रकृति में इतना सामर्थ्य है कि वह पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीव–जन्तुओं की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है मगर उनके लालच की नहीं, जैसा कि महात्मा गांधी ने कहा था। जिस जलवायु परिवर्तन और वैश्विक गर्मी का शोर हम सुनते रहते हैं वह प्राकृतिक साधनों का अधिकाधिक दोहन करने वाले मनुष्य के कृत्यों का दुष्परिणाम ही हो सकता है जिससे स्वयं प्रकृति का सन्तुलन ही बिगड़ रहा है। इसके बहुत से उदाहरण औद्योगीकरण के विकास से लेकर अन्तरिक्ष विज्ञान तक के क्षेत्र में अंधाधुंध वैज्ञानिक हस्तक्षेप को लेकर दिये जा सकते हैं जिनमें पृथ्वी की खनिज सम्पदा के दोहन से लेकर सुविधा व आराम तलबी के उपकरणों का विस्तार तक शामिल है। प्रकृति का सन्तुलन वायुमंडल से लेकर जल स्रोतों व नभ की गतिविधियों तक पर निर्भर करता है। जाहिर है कि जब इन सभी स्रोतों से सीमा से अधिक छेड़छाड़ की जाती है तो प्रकृति प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकती है और मौसम इसका पहला शिकार बन सकता है। इसके क्रम में विसंगतियां उत्पन्न हो सकती हैं। रेगिस्तानी इलाके बाढ़ में डूब सकते हैं और समुद्री किनारे प्यासे रह सकते हैं। अल नीनो नामक मौसम बदलाव की नई अवधारणा प्रकट हो सकती है और गर्म इलाके सर्द हो सकते हैं और ठंडक में रहने वाले क्षेत्रों में गर्मी पसर सकती है। हम पूरे विश्व में आज यही सब देख रहे हैं जिसे ग्लोबल वार्मिंग का नाम दिया जा रहा है। वायुमंडल परिवर्तन के प्रभावों से आज का मनुष्य जूझ रहा है और विज्ञान के जरिये इस पर काबू पाने में असफल हो रहा है। अतः जब हम सुनते हैं कि संयुक्त अरब अमीरात जैसे सूखे व रेगिस्तान बहुल देश के दुबई शहर में बाढ़ का नजारा बना हुआ है तो हमें हल्का आश्चर्य होता है। इस देश में हुई बेमौसम बरसात से वैज्ञानिक व दुनिया हैरान है। इसके विश्व प्रसिद्ध दुबई शहर की सड़कों पर पानी खड़ा हुआ है जिस पर खड़े हुए वाहन आधे पानी में डूबे हुए हैं। इसके चकाचौंध वाले 'मालों' में भी पानी घुस चुका है। घरों और शापिंग काम्प्लेक्स में कई–कई फुट पानी घुस चुका है। पूरे शहर का यातायात अस्त–व्यस्त हो चुका है। इस शहर में कहीं कोई नदी नहीं है बल्कि देश की सरकार ने कृत्रिम झीलें व बर्फीले स्थान तैयार किये हैं। इन सभी का अब कोई महत्व नहीं रह गया है, पूरा शहर ही किसी बाढ़ का बसेरा बन चुका है। दुबई शहर केवल रेत और मिट्टी पर ही बसा हुआ है अतः प्रशासन लोगों से अपील कर रहा है कि वे ऐसे स्थानों पर जाने से बचे जहां मिट्टी व रेत खुले में दिखाई पड़ते हैं क्योंकि पानी की वजह से वे धंस सकते हैं। बुर्ज खलीफा जैसी गगन चुम्बी इमारत के लिए और स्वर्ण खरीद–फरोख्त के लिए प्रसिद्ध दुबई शहर आज पानी का जखीरा बना हुआ है। जलवायु परिवर्तन का यह कहर कुछ वर्षों पहले भारत के राजस्थान राज्य ने भी देखा था जब इसके थार व रेगिस्तानी इलाकों में जमकर बारिश हुई थी बाड़मेर व जैसलमेर जैसे शहरों में बाढ़ के हालात बन गये थे। इससे कई वर्षों पहले पश्चिम एशिया के कुछ देशों में जमकर बर्फबारी भी हुई थी और दूसरी तरफ आजकल यूरोपीय देशों में जमकर गर्मी पड़ने की खबरें भी सुनने को मिल जाती हैं। इस परिवर्तन को हम जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग या वायुमंडल बदलाव आदि किसी भी नाम से पुकार सकते हैं मगर सबकी जड़ में एक ही कारण है कि प्रकृति अपने साथ किये गये बेतरतीब व्यवहार पर घनघोर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रही है। इसके साथ ही भारत के मौसम वैज्ञानिक यह घोषणा भी कर रहे हैं कि इस बार आगामी अप्रैल महीना ही गर्मी का जून महीना जैसा बन जायेगा और इस महीने में समय से पहले ही भारी गर्मी पड़ेगी। यह सब अल नीनो के प्रभाव से होगा। भारतीय वैज्ञानिक विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा की गई भविष्यवाणी को आधार बनाकर यह घोषणा कर रहे हैं अल नीनो का प्रभाव मई महीने तक बना रहेगा। इसे देखकर कहा जा सकता है कि गर्मी पुराने रिकार्ड तोड़ सकती है परन्तु ऐसा हो ही यह भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि अब सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है और इस बार ठंड की सीमा क्या होगी यह भी अल नीनो ही तय करेगा। अल नीनो के दुष्प्रभाव से पेड़–पौधे भी नहीं बच पाते हैं और खेती पर भी इसका बुरा असर पड़ता है जिससे पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीव–जन्तुओं के जीवन पर बुरा असर पड़े बिना नहीं रहता। फसलों का क्रम बिगड़ जाता है और पैदावार चौपट रहने का खतरा खड़ा रहता है। इस संकट का कोई एक निश्चित आयाम नहीं होता। अतः वायुमंडल का संरक्षण आज के वैज्ञानिकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है।

गजल

आप चाहे सजा दीजिए,
पर खघ्ता तो बता दीजिए।
चुभ न जाए कहीं राह में,
आप काँटा हटा दीजिए।
प्यास है जो कि बुझती नहीं,
राज क्या है बता दीजिए।
सिर्फ मैं क्यों मरूँ आप पर,
आप भी कुछ वफा दीजिए।
जिन्दगी चार दिन की है ये,
सारे रिश्ते निभा दीजिए।
पास कुछ भी नहीं है अगर,
आप जाँ ही लुटा दीजिए।
पढ़ के चहरे को रीमा मेरे,
कितना गम है बता दीजिए।

–रीमा पांडेय (कोलकाता)

गजल

हो एहतमाम जाम ओ सोबू एक शाम और,
गम का सफर तवील है कुछ इंतेजाम और।
तस्वीर तेरी करती है खामोश गुफ्तगू,
लेकिन पसे नजर है कोई हमकलाम और।
पागल तो नाम रखती नहीं है किसी की माँ,
दुनिया ने रख दिया तेरे आशिक का नाम और।
कुछ लोग मेरे हौसले को पस्त कर न दे,
मंजिल बहुत करीब है दो चार गाम और।
जो सारे नेक काम थे मैंने किये मगर,
घर आके याद आया मुझे नेक काम और।
अब के मुशायरे को बना देगी आलमी,
अब जुड़ गया है शायरा का एक नाम और।
अशरफ चमन के फूलों को फौलाद क्यों लिखूँ,
शातिर का काम और है शायर का काम और।

–अशरफ याकूबी (कोलकाता)

पसंद

विभिन्नताएँ सदैव से
समानताओं पे भारी रहीं।
तथापि हमारे मध्य
सही में स्वीकृति व
गलत में क्षमाशील होना
स्वाभाविक प्रतिक्रियाएँ रहीं।
क्योंकि
तन को छुए बिना
मन को अंगीकार करना
अंतिम अभिसार है।
तभी तो काया के स्पर्श से परे
आत्मा से लिपट जाने के उपरांत,
अंतिम अभिसार की पराकाष्ठा में
बिछोह के भय की
विद्यमानता नैसर्गिक है।
वैसे भी पसंद बने रहने की प्राथमिकता
प्रेम की दृढ़ता हेतु प्रयोजनीय है।।

–शावर भकत 'भवानी' (कोलकाता)

मालदीव के तीखे तेवर

भारत और मालदीव के संबंध काफी अच्छे रहे हैं। मालदीव उन देशों में शामिल है जिसके साथ संबंधों का इतिहास काफी पुराना है। भारत ने हमेशा मालदीव की मदद ही की है। 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारतीय सेना को भेजकर उस समय के राष्ट्रपति मोमून अब्दुल गयूम की सरकार को बचाया था। भारतीय सेना के जवानों ने विद्रोह पर तुरन्त काबू पा लिया था। मालदीव के पास इतनी सेना नहीं थी कि वह मामूली विद्रोह को काबू में ला सके। 2018 में जब पानी का संकट गहराया तो भारत ने ही मालदीव को जल पहुंचाया था। जरूरत की घड़ी में मालदीव की सहायता करने के लिए कोई अन्य देश नहीं बल्कि भारत ही खड़ा रहा है। मालदीव भारत से 70 समुद्री मील की दूरी परध् निकटतम पड़ोसी है। शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों में भारतीय शिक्षक और डॉक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। व्यापार हो या पर्यटन भारत उसका सबसे बड़ा भागीदार बना हुआ है। भारत उसे चावल, गेहूं का आटा, चीनी, आलू, प्याज, सब्जियां और यहां तक कि नदी की रेत और निर्माण सामग्री जैसी अधिकांश आवश्यक वस्तुएं प्रदान करता है लेकिन अब मालदीव से अच्छी खबर नहीं आ रही है। मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू ने शपथ ग्रहण करते ही भारत विरोधी राग छेड़ दिया है। राष्ट्रपति मोइज्जू ने भारत से कहा है कि वह अपनी सेना के जवानों को वापिस बुला लें। आधिकारिक तौर पर भारत से ऐसा अनुरोध तब किया गया जब भारत के केन्द्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू मालदीव में राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए राजधानी माले पहुंचे हुए थे। राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू चीन समर्थक माने जाते हैं। उनके बयानों से यह साफ है कि वह चीन की सत्ता के बहुत करीब हैं। चीन भारत को घेरने के लिए एक के बाद एक कई देशों पर अपना प्रभाव बढ़ाता जा रहा है ताकि भारत को उलझा कर रखा जा सके। मालदीव में भारत के केवल 70 सैनिक मौजूद हैं और वहां भारत का कोई सैनिक अड्डा नहीं है। चीन के इशारे पर मालदीव को अब सैनिकों की मौजूदगी भी अखर रही है। हिन्द महासागर का यह द्वीपीय देश वैसे तो बहुत छोटा है लेकिन उसकी रणनीतिक और सामरिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है, वह भारत के लक्षद्वीप से केवल 700 किलोमीटर की दूरी पर है। यह दूरी कम है, क्योंकि सामुद्रिक रास्ते में दूरी और कम हो जाती है। हिंद महासागर के महत्वपूर्ण देश होने के नाते, भारत के इतना करीब होने के नाते और हिंद महासागर में रणनीतिक उपस्थिति की वजह से ही मालदीव इतना अहम है। चीन बार–बार कहता है कि हिंद महासागर नाम होने से वह हिंदुस्तान का महासागर नहीं हो जाता, हालांकि सच तो यह भी है कि विश्व का 90 फीसदी व्यापार अब भी हिंद महासागर से ही होकर होता है। उसमें भारत के द्वीपों का अलग महत्व है और उसी वजह से मालदीव की भूमिका भी बढ़ जाती है, वहां भारतीय सैनिकों की मौजूदगी से फ्री–ट्रेड को सुनिश्चित किया जाता है। भारतीय नौसेना जहां कहीं है वह हिंद महासागर में मुक्त व्यापार को सुनिश्चित करती है, चाहे वह मालदीव में हो या फिर जो छोटे–छोटे द्वीपीय देश हैं, वहां पर भी फ्री ट्रेड को बचाए रखने के साथ ही मेरीटाइम पाइरेसी यानी समुद्री डकैतियों को भी रोकता है। भारत की उपस्थिति यह तय करती है कि पूरे विश्व का व्यापार और माल की आवाजाही स्वतंत्र तौर पर चलती रहे। चीन काफी समय से इस जगह पर अपनी धमक और बढ़त बनाना चाहता है, जिस रणनीति को हम स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स के नाम से जानते हैं, उसी के तहत मालदीव, श्रीलंका, म्यांमार और कई छोटे–मोटे द्वीपों में भी खासा निवेश कर चुका है। पाकिस्तान में भी उसने खासी रकम निवेश के नाम पर खर्च की है, जिसमें ग्वादर पोर्ट भी शामिल है, भारत नहीं चाहता है कि चीन के कोई भी मंसूबे पूरे हो सकें, इसलिए भारत भी द डायमंड नेकलेस नामक रणनीति बना रहा है, कार्यान्वित कर रहा है। हमारे रणनीतिक, व्यापारिक हित वहां हैं, हमने मालदीव में अच्छा खासा निवेश किया है। इसलिए उसकी सुरक्षा के लिए बस दो हैलिकॉप्टर, एक डॉर्नियर एयरक्राफ्ट दिया है। हम कोई साम्राज्यवादी देश नहीं है, हम बस अपने हितों की सुरक्षा कर रहे हैं। यद्यपि राष्ट्रपति मोहज्जू ने यह भी कहा है कि भारतीय सैनिकों की वापसी के बाद किसी दूसरे देश की सेना के जवानों को बुलाया नहीं जाएगा। उनका इरादा क्षेत्रीय संतुलन को बिगाड़ना नहीं है। मालदीव के चुनाव में विदेशी सैनिकों की वापसी राष्ट्रपति मोइज्जू के वादों में प्रमुख रहा है। मालदीव बहुत छोटा सा देश है। अगर वह क्षेत्रीय संतुलन को बिगाड़ता है तो यह उसके लिए ही नुक्सानदेह होगा। उम्मीद की जाती है कि मोइज्जू व्यावहारिक वास्तविकताओं को देखते हुए भारत के विरोध में ज्यादा सख्त कदम नहीं उठाएंगे क्योंकि उन्हें भारत के साथ संबंधों को कमजोर करने से सम्भावित परिणामों का एहसास हो सकता है। जो लोग इतिहास से सीखने में असफल होते हैं वे इसे दोहराने के ध्लिए अभिशप्त होते हैं। चीन ने भी मालदीव को ऋण जाल में फंसाया हुआ है। पूर्व राष्ट्रपति यामीन अभी भी नजरबंद है। ऐसा लगता है कि अब्दुल गयूम के शासन की विरासत को उन तत्वों द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है जो अपने संकीर्ण लाभ के लिए चीन के साथ गठबंधन कर रहे हैं। देखना यह है कि राष्ट्रपति मोइज्जू भारत और चीन में कितना संतुलन बनाकर चलते हैं। मालदीव के इन तेवरों को देखकर भारत को भी अपनी नीति में बदलाव करना होगा।

चुनाव जीतने के लिये हिंसा-गालियों का सहारा

मध्यप्रदेश में एक कांग्रेसी कार्यकर्ता की हत्या तथा प्रचार रैलियों के दौरान इस्तेमाल में लाई जा रही अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर से बता दिया है कि वह चुनाव जीतने के लिये किसी भी हद तक जा सकती है। हालांकि कई लोग भाजपा की इन हरकतों को उसकी कमजोर होती स्थिति तथा पराजय का भय भी बतला रहे हैं लेकिन पूरे देश में शासन करने वाली किसी भी सरकार एवं पार्टी का यह उत्तरदायित्व होता है कि वह चुनावों में होने वाली हिंसा को रोके तथा सियासी स्पर्धा को स्वस्थ रहने दे। वैसे पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार से भाजपा ने अराजकता के नये कीर्तिमान गढ़े हैं उसके चलते इस प्रकार की अपेक्षा करना कुछ ज्यादा ही होगा। ऐसे वक्त में जब पांच राज्यों में से तीन (मिजोरम, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश) में मतदान खत्म हो चुका है, मध्यप्रदेश के खजुराहो पुलिस स्टेशन के बाहर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अपने साथियों के साथ टेंट लगाकर धरने दे रहे हैं। उनकी मांग है कि मतदान के दिन (17 नवम्बर को) उनकी पार्टी के एक कार्यकर्ता व छतरपुर के पूर्व पार्षद सलमान खान की हत्या के आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाये। हत्या का आरोपी राजनगर के भाजपा प्रत्याशी अरविन्द पटेरिया को बतलाया जा रहा है। पहले मृतक के परिवारजन दो दिनों तक उनका मृत शरीर लेकर धरने पर बैठे थे। शनिवार की शाम दिग्विजय सिंह भी उसमें शामिल हो गये। रात उन्होंने वहीं गुजारी और रविवार की रात तक वे साथियों समेत डटे हुए थे। उनका और परिजनों का आरोप है कि शिवराज सरकार आरोपी को बचा रही है। पुलिस इन दिनों निर्वाचन आयोग के तहत कार्य करने के बाद भी शिवराज के प्रभाव में काम करती दिख रही है क्योंकि पटेरिया के विरूद्ध नामजद रिपोर्ट दायर की गई है। देखना यह होगा कि पुलिस कब तक कार्रवाई करती है। उधर राजस्थान अब भाजपा व कांग्रेस के बीच चुनावी घमासान के मंजर देख रहा है। यहां भी भाजपा बड़ी सियासी हार का खतरा देख रही है। यहां 15 नवम्बर को मोदी ने बाड़मेर के बायतु में आयोजित एक प्रचार सभा में लोगों से अपील की थी कि श्वे कमल के बटन को ऐसा दबाएं जैसे किसी को सजा दे रहे हैं, फांसी पर चढ़ा रहे हैं।श उनके इस बयान को न सिर्फ गैर लोकतांत्रिक माना जा रहा है वरन घृणा व हिंसा को बढ़ावा देने वाला भी निरूपित किया गया है। उम्मीद थी कि अपनी इस जन आलोचना से स्वयं मोदी तथा उनकी पार्टी के अन्य नेता सबक लेंगे व अपनी भाषा को संयमित, मर्यादापूर्ण तथा शालीन बनाए रखेंगे। ऐसा तो हुआ नहीं, उसी दिन मध्यप्रदेश की अपनी आखिरी जनसभा में उन्होंने कांग्रेसी नेता राहुल गांधी को श्मूर्खों का सरदारश कह डाला। सम्भवतरू उनसे प्रेरणा पाकर केन्द्रीय बाल व महिला विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राजस्थान के ही टोंक के देवली में शनिवार को हुई एक सभा में राहुल के लिये बहुत ही अशोभनीय व असंसदीय टिप्पणी कर दी, जो यह बतलाता है कि भाजपा के पास ऐसे कटु बोल करने वालों की पूरी की पूरी फौज है। इस तरह के अनेक दृष्टांत देश के सामने पिछले लगभग एक दशक से देखने में आ रहे हैं। इस मामले में भाजपा नित नयी गिरावट दर्ज कर रही है और अपने साथ समग्र राजनीति को भी दूषित कर रही है। वैसे इसका कारण यह भी माना जा रहा है कि एक ओर तो भाजपा की इन पांचों राज्यों में स्थिति बहुत नाजुक है, तो दूसरी तरफ, जैसा कि राजनैतिक विश्लेषक बतला रहे हैं और तमाम ओपिनियन पोल से लेकर सर्वेक्षण भी बतला रहे हैं, किसी भी राज्य में भाजपा को शायद ही सफलता मिले। इसके अलावा स्वयं मोदी का जादू हर रोज फीका पड़ता जा रहा है। उनकी कही बातें असर नहीं कर रही हैं। एक ओर कांग्रेस के राहुल गांधी, उनकी बहन प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सभाओं–रैलियों में गदर मचा रहे हैं तो वहीं संगठन का प्रचार तंत्र न सिर्फ भाजपा के वार को भोथरा कर रहा है बल्कि प्रत्युत्तर में बड़े हमले कर रहा है। अब तो नौबत यहां तक आ गई है कि कांग्रेस की रैलियों, जनसभाओं एवं रोड शो में लोग चलकर आ रहे हैं, तो वहीं भाजपा की सभाओं में लोगों को ढो कर लाने के बावजूद उनमें खाली कुर्सियां अधिक होती हैं। जिस देवली की सभा का ऊपर जिक्र हुआ है, उसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आने वाले थे परन्तु लोग इतने कम आए कि उसमें स्मृति को भेजना पड़ा था। सत्ता के लिए भाजपा की अति महत्वाकांक्षा देश का लोकतांत्रिक माहौल कलुषित कर रही है। शायद उसे दो तरह की खुशफहमियां हैं– पहली तो यह कि सत्ता में रहना केवल और केवल उसी का अधिकार है। दूसरे यह कि हमेशा वही सत्ता में बनी रहेगी और उसे कोई सत्ताच्युत नहीं कर सकता। यह सोच राजा–महाराजा या किसी तानाशाह शासक की तो हो सकती है परन्तु लोकतांत्रिक प्रणाली में यह सम्भव नहीं है। सत्ताएं आती हैं, उन्हें चुनौतियां मिलती हैं और वे स्थानापन्न होती हैं। उनकी जगह पर कोई और आसीन होता है। इस परम्परा व सहज प्रणाली को कोई भी नहीं तोड़ सका है। न मोदी तोड़ पायेंगे और न ही उनकी पार्टी। जन्म–जन्मांतर तक सत्ता पर काबिज रहने की महत्वाकांक्षा उनसे चुनावी हिंसा को बढ़ावा दे रही है तो दूसरी ओर अपने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों को अमर्यादित व गरिमाहीन शब्दों से अपमानित करने के लिये उद्धत करती है। इससे वह बाज आए तो बेहतर।

वृद्ध माता पिता परिवार के वटवृक्ष और धरोहर

संजीव ठाकुर

मां शब्द बड़ा ही वृहद और विराट होता है पूरी सृष्टि इसमें समाहित होती है। मां ,धरती, जननी, धरा ,माते इतने पवित्र शब्द है कि संताने उनका ऋण कभी नहीं चुका सकती हैं और पिता वटवृक्ष से घना साया हैं पितृऋण से कभी उबरा नहीं जा सकता। यूरोप और पश्चिम देश इतने अभागे हैं कि वे अपने माता और पिता को वृद्धा आश्रम में छोड़ आते हैं या उन्हें छोड़कर स्वयं संताने दूर चली जाती हैं। स्विजरलैंड जैसे खूबसूरत देश में बुजुर्ग दंपत्ति इच्छा मृत्यु लेकर अपना अंतिम समय व्यतीत करते हैं, पर भारत सांस्कृतिक संस्कारी रूप से समृद्ध है तथा मां–बाप संतानों के पास रहते हैं। कुछ प्रतिशत छोड़ दिया जाए महानगरों में संताने मां और पिता को वृद्ध आश्रम में रखने का उपक्रम करने लगे हैं। पाश्चात्य सभ्यता की यह अंधी नकल बुजुर्ग दंपतियों के लिए बड़ी ही मार्मिक और हृदय विदारक होती है। वृद्ध दंपतियों का अनुभव परिवार के विकास समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह विडंबना है मनुष्य अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्ध शालीन हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लगन सहनशीलताऔर परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि ईस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथोचित लाभ लेकर अपने जीवन व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है। वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से गिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का सांध्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से घिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्याधियों से शरीर घिर जाता है और मनुष्य धीरे–धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पड़ाव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ–साथ मूल समस्या मानसिक व्याधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाई आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी मान लिया जाता है और इस अवस्था में पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है। आत्मविश्वास की धीरे–धीरे कमी होने लगती है, जिससे मानसिक विकृति अकेलापन आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है। इस अवस्था में मान सम्मान की कमी की समस्या तो होती ही है, दूसरी तरफ सीमित तथा अल्प धन की उपलब्धता के कारण आर्थिक कष्ट भी वृद्धों को उठाना पड़ता है। इसके साथ ही परिवार तथा समाज की नजरों में व्यक्ति अनुपयोगी, बोझ, फालतू समझा जाने लगता है, जिससे बुजुर्ग व्यक्ति के मन में एक प्रकार की वितृष्णा आने लगती है। और कई बुजुर्ग इस अवहेलना को ना बर्दाश्त कर आत्महत्या तक कर बैठते हैं। जो व्यक्ति कुछ समय पहले तक महत्वपूर्ण था, विशिष्ट था वह अचानक ही बोझ समझा जाने लगता है। उसके मान सम्मान एवं भावनाओं का महत्व बहुत कम हो जाता है। भागदौड़ वाली इस जिंदगी में युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों से एक दूरी बनाना शुरु कर देती है और वह व्यक्ति अकेला ही रह जाता है। जब मनुष्य अपने को एकाकी समझने लगता है तो यह उसके जीवन का सर्वाधिक कठिन समय एवं पल होता है। आत्मविश्वास जनित प्रेरणा की कमी वृद्धावस्था को बोझिल बना देती है। व्यक्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है, दूसरों पर निर्भरता बढ़ने लगती है। नई पीढ़ी द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। यही परिस्थिति वृद्धा अवस्था के लिए एक अभिशाप की तरह होती है। वृद्धावस्था में मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक कष्ट के प्रमुख कारणों में से संयुक्त परिवार का विघटन भी है। युवा पीढ़ी द्वारा अपने मां–बाप से अलग होकर रहने की चाहत हमारे देश में एक गंभीर समस्या पैदा करती है। वृद्ध व्यक्ति या दंपत्ति को जिस आयु में पुत्र, पुत्रियों की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, ऐसे समय में पुत्र द्वारा उनकी देखभाल छोड़कर अलग रहने के लिए अलग मकान बनाना या किराए पर रहना, उस दंपत्ति या व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करती है। भारत देश वही देश है यहां की संस्कृति में परिवार के बुजुर्ग को भगवान के समान माना जाता था, किंतु संयुक्त परिवार प्रणाली के विघटन के कारण आज की नई युवा पीढ़ी ना तो बड़ों के अनुशासन में रहना चाहती है नहीं उन्हें किसी प्रकार का आदर सम्मान देना चाहती है। औद्योगिकरण और विसंस्कृतिकरण प्रणाली के फल स्वरुप युवा पीढ़ी के रहन–सहन एवं जीवन शैली में तीव्र बदलाव देखा जा रहा है। इस युग में व्यक्ति जितना अपने कार्यों में व्यस्त हो गया है कि उसको परिवार के साथ बैठने, रहने की फुर्सत ही नहीं मिल पाती। भारत में बदलते परिवेश में ओल्ड एज होम की अवधारणा तेजी से बल पकड़ती जा रही है। नई पीढ़ी तरह पुरानी पीढ़ी के बीच एक तरह कम्युनिकेशन गैप भी आ जाता है, जो बुजुर्गों के लिए एक बड़ी समस्या होती है। बुजुर्ग दंपत्ति हो या व्यक्ति के पास जब तक धन रहता है तब तक उनके पुत्र, पुत्री उनका ख्याल रखते हैं और जब वह धनहीन हो जाते हैं, तो उन्हें नकार दिया जाता है।

गजल

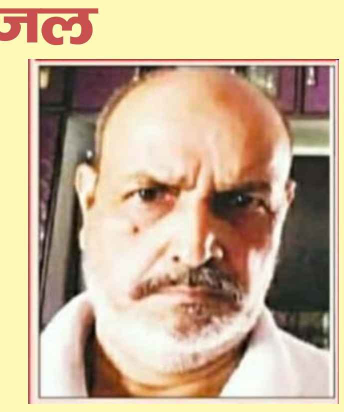

जो सो रहे है जगा के देखो,
मशाल दिल में जला के देखो।
है राष्ट्र हित ही धरम हमारा,
बिगुल जहाँ में बजा के देखो।
करो नही इल्तिजा किसी से,
स्वयं ही तू आजमा के देखो।
सदा ये मौका नही मिलेगा,
भरोसा खुद पे जता के देखो।
वतन में गर शान्ति चाहते हो,
फसादियों को मिटा के देखो।
गद्दारी करते है जो वतन से,
उन्हें तो फाँसी चढ़ा के देखो।
करो न देरी कसम वतन की,
अखन्ड भारत बना के देखो।
'पुकार' होगा भला वतन का,
कलम को शोला बना के देखो।

–पुकार गाजीपुरी (कोलकाता)

गजल

दिल की सदा यही है कि वो कुछ बोलता नहीं।
फिर क्यों ये बोलते हो कि कुछ बोलता नहीं।
मजहब के नाम पे जो ये करते हैं राजनीति।
सारा जहान चुप है कोई बोलता नहीं।
चुपके से मेरे कान में कुछ कह गया था जो
उसके लिए फिर , मैं ये जुबाँ खोलता नहीं।
जज्बात सारे मेरे जो झकझोर के गया
उसके बगैर दिल ये मेरा डोलता नहीं।
अब जिन्दगी की शाम जो मेरे करीब है
फिर भी वो राज दिल के कभी खोलता नहीं।
चाहत में जीने मरने का ही सिलसिला रहा
संजय कभी भी इश्क में कुछ तोलता नहीं।

–संजय शुक्ल (कोलकाता)

सुर ताल संगम ने संगीत संध्या का आयोजन करके जरूरतमंद बच्चों को गर्म कपड़े, भोजन और गिफ्ट वितरित किए गए

लखनऊ। प्रशंसनीय सांस्कृतिक आयोजनों के साथ साथ सामाजिक गतिविधियों में भी अग्रणी अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त संस्था सुर ताल संगम ने जरुरतमंद तथा प्रतिभावान बच्चों के साथ बाल दिवस धूमधाम से मनाया। लखनऊ स्थित शीरोज हैंगआउट में एक बेहतरीन सहायतार्थ आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अनुभव द्विवेदी ने सपत्नीक दीप प्रज्वलित कर सभी बच्चों के मंच प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा ऐसे अनुकरणीय आयोजन के लिए संस्था के सतत प्रयासों की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए साधुवाद दिया। बच्चों सहित वयस्क कलाकारों में मोनी मिश्रा, अमन जावेद फारुकी, अद्विका श्रीवास्तव, अमन सोनी, तेजस, आरुषि, शिखा, अंकिता, नाहिद, हरीश गौड़,

विनय प्रकाश, रमन श्रीवास्तव, जसबीर सिंह, शिवेंद्र वर्मा आदि ने खूबसूरत प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। सुप्रतिष्ठित स्वयंसेवी उक्त संस्था की डायरेक्टर डॉ जया श्रीवास्तव एवं अध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव समेत सभी प्रमुख पदाधिकारियों धर्मेंद्र श्रीवास्तव, सहर जावेद फारुकी, अविजित श्रीवास्तव, नमिता गुप्ता, अभय श्रीवास्तव, अंशुमान दास, ऐमन, आद्या, सीमा श्रीवास्तव, अनीता सिंह, अतुल श्रीवास्तव, वंदना श्रीवास्तव, गगन शुक्ला, दिनेश श्रीवास्तव आदि ने सभी बाल कलाकारों और जरूरतमंद बच्चों को गिफ्ट एवं गर्म कपड़े वितरित किए।

सीएम सर मेरे साथ गलत हुआ...इंसाफ दो,नायब तहसीलदार बोलीं, राजस्व अधिकारी ने रेप और मर्डर की कोशिश कीय अफसर बचाने में लगे

बस्ती,(संवाददाता)। सीएम साहब अब तक आरोपी अफसर की गिरफ्तारी नहीं हुई। प्रशासन पूरे मामले की लीपा–पोती कर रहा है। आरोपी को बचाने की कोशिश की जा रही है। उसने मेरे साथ गलत किया। मुझे पीटा गया, मेरे साथ रेप और मर्डर की कोशिश की गई। ये कहना है बस्ती की नायब तहसीलदार का। रविवार शाम को पीड़िता ने वीडियो जारी करते हुए सीएम योगी से न्याय की गुहार लगाई है। वीडियो में महिला अफसर कह रहीं हैं कि मेरे सहकर्मी घनश्याम शुक्ला ने मेरे सरकारी आवास में घुसकर मेरे साथ रेप की कोशिश की। मेरा मर्डर करने का प्रयास किया। प्रशासन कोई एक्शन नहीं ले रहा है। जांच की बात करते हुए सिर्फ मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। तहरीर देने के 24 घंटे बाद मुश्किल से एफआईआर दर्ज हुई। इसके बाद मेरे मजिस्ट्रेट बयान करवाए गए। लेकिन, अब तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया। पूरी घटना 12 नवंबर यानी दीपावली की रात की है। 25 साल की अनमैरिड महिला अफसर ने 17 नवंबर को कोतवाली में एफआईआर कराई थी। तहरीर में उन्होंने बताया था कि 12 नवंबर की रात करीब 1 बजे मेरे सरकारी आवास के बगल में रहने नायब तहसीलदार घनश्याम शुक्ल (36) आवास से निकलकर आए।

उन्होंने मेरे आवास का दरवाजा खटखटाया। जब मैंने दरवाजा नहीं खोला तो उसने लात मारकर दरवाजे को तोड़ दिया। इसके बाद वह मेरे कमरे में घुस आया और आते ही मुझे कई थप्पड़ मारे। इसके बाद मुझे जमीन पर गिराकर होंठ और कंधे समेत कई जगह पर काटा। मेरे कपड़े फाड़ दिए और रेप की कोशिश करने लगे। उस दिन मैं किसी तरह भागकर तख्त के नीचे छिपीं, तो आरोपी ने मुझे वहां से भी घसीट लिया। इसके बाद मेरे शरीर पर कई जगह नोंचा, मारा–पीटा और गला दबाकर हत्या करने की कोशिश की। पीड़ित अफसर ने पुलिस को बताया कि किसी तरह जान बचाते हुए वह बाहर भागीं।

उसके बाद खुद को कमरे में बंद कर लिया और दरवाजे पर तख्त लगा दिया। इससे उनकी जान बचा पाई।

महिला नायब तहसीलदार ने अपना मेडिकल कराकर आरोपी राजस्व अधिकारी के खिलाफ केस दर्ज कराया। आरोपी तहसीलदार 35 साल का है। पीड़ित अफसर की बहन ने बताया कि आरोपी शादीशुदा है। उसका तलाक हो चुका है।

पीड़िता ने बताया कि वारदात के बाद मैं तीन दिन सदमे में रही। मेरे पिता मेरे आवास पर आए लेकिन मैंने उनसे कुछ नहीं बताया। इसके बाद 15 नवंबर को छुट्टी लेकर अपने घर गोरखपुर चली गई। घर जाकर हिम्मत करके अपने परिजनों को पूरी आपबीती बताई और मारपीट के निशान दिखाए। तब जाकर परिजनों के साथ आकर मैंने आरोपी नायब तहसीलदार के खिलाफ तहरीर देकर केस दर्ज कराया।

रूउगते सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाओं ने खोला व्रत, छठ पर्व का हुआ समापन

बहराइच,(संवाददाता)। बहराइच में लोक व प्रकृति का महापर्व छठ सोमवार को परंपरागत तरीके से आस्था व विश्वास के साथ मनाया गया। सुबह जब सूर्य देव अपनी आभा को फैलाने लगे तो छठ मइया के गीतों से घाट गुंजायमान हो उठे। उगते सूर्य को व्रती महिलाओं ने अर्घ्य देकर सुख, समृद्धि और लोक कल्याण की मंगल कामना कर 36 घंटे का व्रत खोला। चार दिवसीय महापर्व के अंतिम भोर में उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए व्रती महिलाएं पूरे परिवार संग पुलिस लाइन छोटी बेरिया, गोलवाघाट, झिंगहाघाट पहुंचीं। निर्जल व्रत रखने के बाद भी महिलाओं के चेहरों पर भक्तिभाव की चमक प्रवाहित हो रही थी। मंगलगीत गाते हुए महिलाएं नंगे पैर घाटों पर पहुंचीं। सूर्य देव की आभा दिखने के इंतजार में पानी में खड़ी महिलाएं अरदास करती रहीं। आभा बिखरते ही छठी मइया के जयघोष से घाट गूंज उठे। सूर्य की पहली किरण निकलते ही दूध से अर्घ्य देने का सिलसिला शुरू हुआ। व्रतियों ने सूर्य दर्शन के उपरांत प्रसाद भी बांटे। इस दौरान घाटों पर विहंगम दृश्य देखने को मिला। सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन अलर्ट दिखा। घाटों पर पुलिस का पहरा रहा।

व्रती महिलाओं ने सूर्य का अर्घ्य देकर किया पूजन-अर्चन, पुलिस फोर्स रहा तैनात

बस्ती,(संवाददाता)। रुधौली सहित विभिन्न जगहों पर सोमवार को छठ महापर्व हर्षोल्लाष के साथ मनाया गया। चार दिनों तक चले छठ महापर्व को लेकर सोमवार को व्रती महिलाओं ने रुधौली कस्बे के बुद्धि बाजार में सूर्योदय के दौरान पोखरे में खड़े होकर अर्घ्य दिया। पूजन अर्चन किया। जबकि कई महिलाओं ने घर पर ही पूजन अर्चन किया। इस दौरान बुद्धि बाजार स्थित पोखरे पर भारी भीड़ रही। जबकि डीजे पर छठ मैया के गीत छठ मैया की महिमा की कथा चल रही थी। महिलाओं ने बेदी पर पूजन अर्चन कर पुत्र की दीर्घायु की कामना करते हुए छठ मैया की पूजा कर परिवार के सुख समृद्धि की कामना की। वहीं किन्नारों ने भी छठ महापर्व पर पूजन अर्चन किया। छठ महापर्व पर सूर्योदय को अर्घ्य देकर महापर्व का समापन हुआ। छठ को लेकर पटाखे भी फोड़े गए। पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। कामिनी त्रिपाठी, मनीषा सिंह, रचना सिंह, अंतिमा सिंह, इन्दू सिंह, सपना सिंह, विजयलक्ष्मी बरनवाल, सीमा, लीलावती देवी सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं पोखरे पर पहुंचीं। पूजन अर्चन किया। पटाखे भी फोड़े गए। जबकि बुद्धि बाजार स्थित पोखरे पर छठ पर्व पर भारी भीड़ के बीच लोकनृत्य को देखने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। हिन्दु युवा वहिनी के पूर्व जिला अध्यक्ष शशि भूषण सिंह, नपं अध्यक्ष धीरसेन निषाद, सभासद सहित आदि मौजूद रहे। छठ पर्व को लेकर एसडीएम आशुतोष तिवारी, तहसीलदार रवि यादव, नायब तहसीलदार नीरज सिंह, प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र चौधरी, कानूनगो संतोष मंदिर पर स्थित पोखरे पर भी महिलाओं ने सूर्य को अर्घ्य दिया। वहीं मझौवाकला प्रथम में हनुमान जी के मन्दिर के पास स्थित पोखरे पर व्रती महिलाओं ने सूर्य को अर्घ्य दी है।

विनोद सोनकर द्वारा प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान भाजपा नेता रवि प्रताप सिंह, केडी सिंह, रजनीश सिंह, अरविंद सिंह, योगेंद्र मणि त्रिपाठी शुक्ला, एसआई राजेन्द्र यादव, एसआई राघवेंद्र प्रताप सिंह, एसआई सुग्रीव चंद्रा साहित भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहे। मां सरघाट क्षेत्र के पचारी कला, कुड़ी चौराहा, डड़वा पांडे, महुआर, दसिया सहित विभिन्न जगहों पर छठ पर्व हर्षोल्लाष के साथ मनाया गया।

बीएचयू में नॉन-नेट फैलोशिप बढ़ाने की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन

वाराणसी,(संवाददाता)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में नॉन नेट फैलोशिप बढ़ाने की मांग को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शन का 35वां दिन है। छात्रों ने आज से आमरण अनशन की शुरुआत कर दी है। छात्रों का कहना है कि पिछले कई दिनों से हम लोग शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। हमें अपनी मांगों को पूरा करने के लिए कुलपति, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति तक को पत्र भेजा। लेकिन हमारी मांग नहीं पूरी हुई इसलिए हम लोग आज से आमरण अनशन की शुरुआत कर रहें हैं। इन शोधर्थियों का कहना है कि सन 2006 में जूनियर रिसर्चर फेलोशिप और नॉन जेआरएफ फेलोशिप एक समान 8 हजार रुपए प्रति माह था। जिसके बाद जेआरएफ के फेलोशिप को कई बार संशोधित किया गया। वर्तमान में जेआरएफ फेलोशिप करीब 43 हजार से ज्यादा हो गया है। लेकिन नॉन नेट को अभी भी मात्र 8 हजार रूपए ही मिल रहा है। जबकि शोध कार्य दोनों रिसर्चर्स को एक जैसा ही करना पड़ता है। ऐसे में इतने कम फेलोशिप में गुजारा करना मुश्किल हो जाता है। छात्रों का कहना है कि हम भले ही 35 दिनों से धरने पर बैठे हैं। मगर इससे उनके रिसर्च पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। अपने रिसर्च वर्क को बिना रोके या बिना प्रभाव के दिन रात अनवरत धरना चला भी रहे हैं। सभी शोधार्थी बारी–बारी से आकर धरना स्थल पर बैठते है। साथ में अपना काम भी करते है। जब एक्सपेरिमेंट का काम होता है, तो वे बारी–बारी से लैब में जाते हैं। जब पढ़ने वाला काम होता है, तो शोधार्थी धरना स्थल पर ही पढ़ते है।कैलाश वर्मा ने कहा कि हम सभी शोध वृत्ति को 25000 प्रति माह करने की मांग की है। छात्र 35 दिनों से खुले आसमान के नीचे सड़क पर सो रहे हैं। लेकिन इससे वीसी और बीएचयू को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। शनिवार को हमने मांग पूरी न होने पर सोमवार को आमरण अनशन शुरू करने की बात कही थी। लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने हमारी मांगों पर कोई विचार नहीं किए। इसलिए आज से हम लोग अपना विरोध प्रदर्शन शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी छात्र के साथ कोई भी अप्रिय घटना होती है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। सेंट्रल ऑफिस में धरना प्रदर्शन के दौरान अनमोल उपाध्याय, प्रशांत चतुर्वेदी, मनमोहन तिवारी, नीरज तिवारी, आयुषी, अभिज्ञान, अनुराधा, रघुवीर, प्रिंस, विंद्रा, विजय, कृष्ण मोहन, नितिश मिश्रा, सत्यम उपाध्याय, हरिकांत, अंकिता, नितिन यादव, दाताराम सैनी, नीतीश मिश्रा, राघवेंद्र यादव, राजेश पटेल, अजय आशीष वर्मा, अपर्णा, अर्चना, नेहा, आकांक्षा, रितु कुमारी, शिवानी मिश्रा, रघुवीर प्रजापति, पवन दुबे, विवेक विहान से काफी संख्या में शोध छात्राएं उपस्थित रहे।

बिना गेट पास के नहीं मिलेगी यूनिवर्सिटी में एंट्री, विश्वविद्यालय में छात्र घंटों बाहर खड़े रहे

आगरा,(संवाददाता)। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पालीवाल पार्क परिसर में प्रवेश के लिए छात्रों को अब एक बार फिर से गेट पास की जरूरत पड़ेगी। सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचे छात्रों को सिक्योरिटी गार्ड्स ने अंदर ही नहीं जाने दिया। गेट पास के लिए हेल्प डेस्क पहुंचे छात्रों को वहां से गेट पास नहीं मिला। हेल्प डेस्क सिर्फ एप्लीकेशन ले रही थी। कुछ छात्र कई घंटे तक गेट के बाहर ही खड़े रहे। विश्वविद्यालय में पिछले साल से गेट पास की व्यवस्था शुरू की गई थी। उद्देश्य था कि छात्र बिना काम के विश्वविद्यालय परिसर में न घूमें। समस्या संबंधी एप्लीकेशन हेल्प डेस्क पर ही देकर रवाना हो जाएं। कुछ दिन सख्ती होने के बाद इसमें ढिलाई होने लगी। छात्र बिना गेट पास के ही विश्वविद्यालय परिसर में आराम से चले जाते थे। नियम बनाया गया था कि किसी भी पटल यानि विभाग में कोई भी छात्र अपना काम लेकर नहीं जाएगा। हर एप्लीकेशन हेल्प डेस्क पर दी जाएगी। वहीं से वो विभागों में ट्रांसफर की जाएगी। लेकिन अब हर विभाग में छात्र खड़े देखे जा सकते हैं। विश्वविद्यालय अपने–अपने कामों से पहुंचे छात्रों और अभिभावकों को इस व्यवस्था के कारण काफी परेशानी

हुई। गेट पास बनवाने के लिए काउंटर पर लंबी लाइन लग गई क्योंकि विश्वविद्यालय प्रशासन ने फिलहाल एक ही काउंटर शुरू किया है।अभिभावकों और छात्रों की सिक्योरिटी गार्ड्स से झड़प भी हुई। अलीगढ़ में बने राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध हुए कॉलेजों के छात्र सोमवार को माइग्रेशन सर्टिफिकेट के लिए विश्वविद्यालय पहुंचे। सिक्योरिटी गार्ड्स ने उन्हें बिना गेट पास के विश्वविद्यालय के अंदर नहीं घुसने दिया। इस पर छात्र कई घंटे के लिए गेट के बाहर ही खड़े रहे। कुछ छात्र नेताओं के दखल देने के बाद छात्रों को विश्वविद्यालय के अंदर प्रवेश दिया गया। छात्र रजत कुमार का कहना था कि हमें पहले सूचना नहीं दी गई थी कि गेट पास जरूरी है। सिक्योरिटी गार्ड्स हमें अंदर जाने नहीं दे रहे थे। गेट पास बनवाने और समस्या संबंधी एप्लीकेशन देने के लिए हेल्प डेस्क पर छात्रों की भीड़ लगी रही। दूसरे शहरों से आए छात्रों को गेट पास की जानकारी नहीं थी। हेल्प डेस्क पर कार्यरत कर्मचारी एप्लीकेशन लेने के साथ ही गेट पास भी बना के दे रहे थे। गेट पास बनाने से पहले कारण पूछा जा रहा था।

चीफ प्रॉक्टर प्रो. मनुप्रताप सिंह का कहना है कि व्यवस्था नई नहीं है। हर विश्वविद्यालय में यही नियम होता है।

पालीवाल पार्क परिसर में पढ़ने वाले छात्रों को गेट पास की जरूरत नहीं है। उन्हें उनके आईडी कार्ड से ही प्रवेश मिल जाएगा। जबकि दूसरे शहरों या कॉलेज से आने वाले छात्रों को गेट पास बनवाना होगा। यह फैसला प्रोक्टोरियल बोर्ड की मीटिंग में लिया गया था और इस बारे में सभी विभागों को सूचना दे दी गई है।

सड़क किनारे मिला युवक का शव,नशे का आदी था मृतक

वाराणसी,(संवाददाता)। जिले के भेलूपुर थाना क्षेत्र स्थित खोजवा बाजार में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई जब क्षेत्र में एक युवक का शव सड़क किनारे पड़ा हुआ मिला। स्थानीय नागरिकों के जिसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक की पहचान सौरभ मिश्रा (35) निवासी छित्तूपुर थाना भेलूपुर के रूप में किया। युवक के मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। स्थानीय पुलिस की माने तो मौत की क्या वजह है। यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के पश्चात स्पष्ट हो पाएगा। वहीं पुलिस ने परिजनों को युवक के मृत होने की सूचना दी। खोजवा चौकी प्रभारी ने बताया कि स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला है, कि युवक नशे का आदी था।

गंगा घाट पर छठी मईया की भावुक विदाई, व्रतियों ने रुंधे गले से गाए गीत

वाराणसी,(संवाददाता)। आज छठ मईया की भावुक विदाई हो गई। व्रतियों और श्रद्धालुओं की आंखों में आंसू थे। 4 दिन तक हंसी–खुशी छठी मईया के मंगल गीत गाने वाली व्रतियों ने आज रुंधे गले से उनकी विदाई के गाने गाए। 3 दिन तक बांस की बहंगिया और माथे दउरा उठाई जैसे गीतों के गाने–बजाने का माहौल रहा, वहीं आज सुबह श्ररुवा से एहे हथजोरिया नु हो, आदित करि जनि देरियाश और श्हमनी के छोड़ के नगरिया नू हो, कहवां जइबू ए माई, कईसे हरी हम विदाई गीत हर किसी की जुबान पर रही। छठ मईया अब अगले साल आएंगी, और अच्छे से उनकी पूजा हो, इसकी कामना की गई। घाट पर तड़के सुबह 5 बजे उगते सूरज का दूध और जल से अभिषेक करके व्रतियों ने पारण कर दिया। घाट पर आम लोगों और गरीबों में छठ मईया के प्रसाद बांटे गए।

संक्षिप्त खबरें

बकायेदारों ने जलसंस्थान को एक साल कर दिया पीछे

उरई/जलौन,(संवाददाता)। जिले के कई पेयजल कनेक्शन धारकों की मनमानी ने जलसंस्थान को एक साल पीछे कर दिया है, भारी–भरकम बकाया जमा न होने से विभाग आर्थिक रूप से लगातार पिछड़ता जा रहा है। विभाग को एक साल में शासन से करीब 16 करोड़ रुपये की वसूली का लक्ष्य मिलता है। सरकारी विभागों समेत आम व कमर्शियल उपभोक्ताओं पर इतना ही बकाया विभाग का फंसा हुआ है। अब विभाग ने आरसी जारी करने के बाद बड़े बकायेदारों की सूची तैयार कर बोर्ड को कार्यालय गेट के पास लगाकर सार्वजनिक कर दिया है, कुर्की की भी तैयारी शुरू कर दी गई है। जिले में सरकारी विभाग समेत करीब 85 हजार पेयजल कनेक्शन हैं। इसमें 28 हजार 500 कनेक्शन उरई शहर के हैं। पूरे जिले में कनेक्शनधारकों पर विभाग का नौ करोड़ सहित करीब 16 करोड़ बकाया है। विभागीय जानकारी के अनुसार इन बकायेदारों में 50 फीसदी से ज्यादा वे बकायेदार हैं, जिन पर लंबा बकाया है। 10 हजार रुपये से अधिक बकायेदार वाले कनेक्शन धारकों की संख्या सबसे ज्यादा है। इन बकायेदारों से वसूली कार्रवाई को लेकर विभाग ने पूर्व में तीन बार नोटिस जारी किया था। बकाया जमा न होने पर करीब 300 बकायेदारों को आरसी जारी कर दी गई है। अब हर मोहल्ले से करीब तीन–तीन बड़े बकायेदारों के नाम के साथ 80 बकायेदारों की सूची बनाकर नाम सार्वजनिक करते हुए बोर्ड लगा दिया गया है। जलसंस्थान का बंटाधार करने में सिर्फ आम उपभोक्ता ही नहीं हैं, बल्कि सरकारी विभाग भी खूब पलीता लगा रहे हैं। इनमें भी टॉप 10 में वे बकायेदार हैं, जो स्वयं राजस्व संबंधित जिम्मेदारी निभाते हुए सरकार के खजाने को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इनमें तहसील, बैंक, विद्यालय व जिला परिषद आदि हैं। विभागीय जानकारी के अनुसार 35 ऐसे सरकारी विभाग हैं, जिन पर जलसंस्थान का करीब 60 लाख रुपये बकाया है। इनको एक बार नोटिस जारी भी किया जा चुका है। बकाया जमा न करने पर दूसरी बार फिर नोटिस जारी कर दिया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार अब भी बकाया जमा नहीं करते हैं तो तीसरा नोटिस और फिर आरसी जारी करने की कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने किया निरीक्षण, कूड़े के ढेर देखकर संबंधित अधिकारी को लगाई फटकार

बांदा,(संवाददाता)। जनपद के बबेरू कस्बे का डीएम के द्वारा निरीक्षण किया गया है। जहां पर गंदगी का अंबार देखते हुए संबंधित अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई है। वहीं जिलाधिकारी ने बताया की कही भी कूड़ा नही पड़ा होना चाहिए और समय समय पर सफाई होनी चाहिए। मामला बबेरू कस्बे का है, जहां आज सोमवार को बांदा जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने सुबह कस्बे का निरीक्षण किया है।

जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नए भवन का निरीक्षण किया, उसके बाद तहसील एवं दशहरा मैदान रावण तालाब एवं दंगल मैदान का निरीक्षण किया। इसके उपरांत अछाह गांव में बने एमआरएफ सेंटर का निरीक्षण किया है, जिसमें कस्बे के रावण तालाब दंगल मैदान तहसील पर कूड़े के ढेर गंदगी को देखकर नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी रामबदन यादव को कड़ी फटकार लगाई है।

वही निर्देशित किया गया है, की जो नगर और कस्बे का कूड़ा निकलेगा वह एमआरएफ सेंटर में ही डाला जाएगा। जो तालाब के किनारे कूड़ा फेंका जा रहा है उसकी सफाई करवा लिया जाए और इस बार से कस्बे में एक भी कूड़ा दिखना नहीं चाहिए। इस मौके पर तहसीलदार संतोष कुमार कुशवाहा नगर पंचायत अध्यक्ष सूर्यपाल सिंह यादव, एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वहीं सुरक्षा की दृष्टि से बबेरू कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार सिंह,सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

नाती ने अपने बाबा की गड़ासे से काटी गर्दन,संपत्ति की लालच में घटना को दिया अंजाम

बांदा,(संवाददाता)। जिले में एक बार फिर दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक कलयुगी नाती ने अपने ही सगे बाबा की गड़ासे से गर्दन काट कर हत्या कर दी। ग्रामीणों की सूचना में पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला शहर कोतवाली अंतर्गत मवई गांव का है। जहां संपत्ति को लेकर अस्सी वर्षीय फुल्ला की उसी के सगे नाती ने गड़ासे से गर्दन पर हमला कर दिया। जिससे बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की सूचना जैसे ही गांव में फैली तो हड़कंप का माहौल हो गया और ग्रामीणों में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है की मृतक शौच क्रिया के लिए सुबह खेतों की ओर गया था तभी सुबह करीब सात बजे इस घटना को अंजाम दिया गया।मृतक के बेटे महा प्रसाद ने बताया की उसके पिता सुबह करीब छः बजे सौच क्रिया के लिए निकले थे जिसके बाद उसी के भाई यानी मृतक के दूसरे बेटे ने संपत्ति की लालच में पिता की हत्या कर दी। वहीं इसी मामले में मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी गवेन्द्र पाल गौतम ने बताया की मृतक अपने बड़े बेटे के साथ रहता था और उसी को अपनी संपत्ति देना चाहता था इसी बात से नाराज मृतक के दूसरे बेटे के पुत्र ने गड़ासे से गर्दन पर वार कर हत्या कर दी। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हत्यारे को हत्या में प्रयोग किए गए हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

झोले में भरकर नवजात बच्ची को झाड़ियों में फेंका,पुलिस ने कराया भर्ती

बांदा,(संवाददाता)। जिले में एक मां अपनी नवजात बच्ची को एक झोले में भरकर झाड़ियों में फेंक कर फरार हो गई। जहां समान लादने आए एक लोडर वाले ने रोने की आवाज सुनी तो उसने जाकर देखा। जहां उसे नवजात बच्ची मिली। फौरन उसने 112 नंबर डायल कर पुलिस को बुलाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने नवजात बच्ची को अपने कब्जे में लेकर जिला अस्पताल भिजवाया। पूरा मामला शहर कोतवाली अंतर्गत जिआईसी मैदान का है। गायत्री नगर चमरौड़ी चौराहे का रहने वाला यशवंत कुशवाहा लोडर लेकर समान लादने गया था। तभी उसने रोने की आवाज सुनी। वह आवाज के पीछे झाड़ियों के पास पहुंचा, जहां एक झोला पड़ा था जिससे रोने की आवाज आ रही थी। उसने खोलकर देखा तो उसमें एक नवजात बच्ची बिलख रही थी।

जिसके बाद उसने तुरंत 112 नंबर डायल कर पुलिस को बुलाया। मौके पर पुलिस स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ पहुंची और बच्ची को कब्जे में लेकर एंबुलेंस में जिला अस्पताल भिजवा दिया। नवजात बच्ची मात्र 10 से 15 दिनों की बताई जा रही है।

पुलिस का कहना है कि समय रहते लोडर चालक की नजर पड़ गई नहीं तो बच्ची के साथ अनहोनी हो सकती थी। फिलहाल बच्ची को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। उस रास्ते पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटजे खंगाली जा रही है।

दो कर्मियों को गैरहाजिर रहने पर एसडीएम ने थमाया नोटिस

उरई/जलौन,(संवाददाता)। कोंच बगैर अवकाश स्वीकृत के ही लगातार दो दिनों तक अनुपस्थित रहने को अनुशासनहीनता मानते हुए एसडीएम ने दो कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस थमाया है। एसडीएम अतुल कुमार द्वारा तहसीलकर्मी ऊषा निरंजन व सूरज पाल को जारी नोटिस में कहा गया कि जिलाधिकारी के आदेश के बाबजूद दोनों तहसीलकर्मी 16 व 17 नवंबर को बगैर अवकाश स्वीकृत कराए ही कार्यालय से अनुपस्थित रहे। ऐसा करना अनुशासनहीनता व लापरवाही माना जाता है। इस प्रकार कार्यालय से गैरहाजिर रहने से न्यायालय तथा कार्यालय का कार्य अवरुद्ध रहा। एसडीएम ने दोनों से दो दिन के अंदर स्पष्टीकरण मांगा है।

एएमयू में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों का आयोजन

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के मेडिसिन और यूनानी मेडिसिन संकायों के छात्रों विश्व मधुमेह दिवस पर लोगों को मधुमेह होने की संभावनाओं को कम करने के बारे में शिक्षित करने के लिए आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया। नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं और शिक्षिकाएं नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल, प्रोफेसर फरहा आजमी के मार्गदर्शन में राजीव गांधी सेंटर फॉर डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी, जे.एन. मेडिकल कॉलेज में विश्व मधुमेह दिवस मनाने के लिए एकत्र हुईं।केंद्र के निदेशक डॉ. हामिद अशरफ ने मधुमेह से निपटने के लिए निवारक उपायों के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें स्वस्थ आहार, शांतिपूर्ण और तनाव मुक्त जीवन शैली, नियमित बाहरी शारीरिक गतिविधियां और टीवी, मोबाइल और कंप्यूटर पर स्क्रीन समय कम करना शामिल है। सुश्री हुमा रूही ने सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया और धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। बी.एससी. नर्सिंग चौथे सेमेस्टर की छात्राओं ने इस वर्ष की थीम, 'मधुमेह देखभाल तक पहुंच' पर प्रकाश डालने के लिए एक 'नुक्कड़ नाटक' का आयोजन किया।

यूनानी चिकित्सा संकाय में, शैक्षणिक और सह–पाठ्यचर्या समिति के तत्वाधान में विश्व मधुमेह दिवस के उपलक्ष्य में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक मौखिक प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यूनानी चिकित्सा संकाय के डीन प्रोफेसर उबैदुल्ला खान ने छात्रों में संचार कौशल विकसित करने और उन्हें संबंधित क्षेत्र में विकास का नवीनतम ज्ञान प्रदान करने के सर्वोपरि महत्व पर प्रकाश डाला। अजमल खान तिब्बिया कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर बदरुद्दुजा खान ने मधुमेह जैसी बीमारियों के प्रभाव को रोकने या कम करने में जीवनशैली में बदलाव की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। इससे पूर्व, वक्ताओं का स्वागत करते हुए, अकादमिक और सह–पाठ्यचर्या समिति की अध्यक्ष प्रोफेसर आसिया सुल्ताना ने रचनात्मकता और नवीन सोच को बढ़ावा देने और छात्रों में रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए पीजी छात्रों के लिए समिति द्वारा योजनाबद्ध आगामी कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम के अंत में मौखिक प्रस्तुति कार्यक्रम के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जबकि अन्य प्रतिभागियों को भागीदारी के प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अतिया अंजुम ने किया।

एएमयू में सर सैयद दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये

अलीगढ,(संवाददाता)। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के आवासीय हॉल, सांस्कृतिक शिक्षा केंद्र और स्कूलों और उसके मल्लापुरम (केरल), मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) और किशनगंज (बिहार) स्थित विस्तार केंद्रों द्वारा एएमयू के संस्थापक सर सैयद अहमद खान की जयंती के उपलक्ष में व्याख्यान, साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित पारंपरिक भव्य सर सैयद रात्रिभोज का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी ड्रामा क्लब द्वारा दर्शकों के लिए अलग–अलग दिनों में इसकी पुरस्कार विजेता नाट्य कृति, 'सर सैयद' का मंचन किया जा रहा है, जो प्रोफेसर एफएस शेरानी (समन्वयक, सांस्कृतिक शिक्षा केंद्र) द्वारा लिखित और प्रोफेसर शेरानी और मुजम्मिल हयात द्वारा निर्देशित है। प्रोफेसर शेरानी ने बताया कि आम दर्शकों के लिए नाटक का मंचन 18, 19 और 20 अक्टूबर को शाम 6 बजे किया जाएगा, जबकि एएमयू स्टाफ के लिए यह नाटक 21 अक्टूबर को दिखाया जाएगा और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए इसकी लाइव स्ट्रीमिंग रात 8.30 बजे की जाएगी। उन्होंने बताया कि 22 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे छात्राओं के लिए एक विशेष शो आयोजित किया जाएगा।

अरविंद वर्मा (सीजेएम, अलीगढ), बृजेन्द्र सिंह यादव (अधीक्षक, अलीगढ जेल) और श्री पलाश बंसल (एसपी ग्रामीण, अलीगढ) अनिवासी छात्र केंद्र (एनआरएससी) में सर सैयद दिवस समारोह में मानद अतिथि के रूप में शामिल हुए। सर शाह सुलेमान हॉल में समारोह के मुख्य अतिथि, श्री एस.पी. सिंह तेवतिया, सचिव, केंद्रीय वक्फ परिषद, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने छात्रों से आग्रह किया कि वह जीवन में एक अच्छा करियर बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें और अपनी पढ़ाई में उत्कृष्टता हासिल करें। अब्दुल्ला हॉल में सर सैयद दिवस समारोह में भाग लेते हुए, मुख्य अतिथि, प्रोफेसर नईमा खातून (प्रिंसिपल, वीमेन्स कॉलेज) ने महिला शिक्षा पर सर सैयद के दृष्टिकोण के बारे में बात की जिसने शेख अब्दुल्ला को लड़कियों के लिए एक स्कूल स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जो बाद में प्रसिद्ध विमेंस कॉलेज बन गया। हुमा खलील (ट्रस्टी और क्रिएचर डायरेक्टर, रेख्ता फाउंडेशन) समारोह की मानद अतिथि थीं। आफताब हॉल में मुख्य अतिथि सैयद मोहम्मद अशरफ (सेवानिवृत्त मुख्य आयकर आयुक्त) ने सर सैयद के सुधारवादी कार्यों और मिशनरी उत्साह पर बात की। डॉ. मुजीब उल्लाह जुबेरी (परीक्षा नियंत्रक, एएमयू), संजीव सराफ (संस्थापक रेखध्ता फाउंडेशन) व तौसीफउर रहमान (निदेशक स्टेपिंग क्लाउड कंसलटिंग प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली) मानद अतिथि थे। मुफ्ती शमून कासमी (अध्यक्ष, उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड) ने बीआर अंबेडकर हॉल के सर सैयद दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वर्तमान परिदृश्य में सर सैयद के संदेश की स्थायी विरासत के बारे में बात की, जिसमें मेजर जनरल जावेद इकबाल, वीएसएम, (कानूनी सलाहकार, संयुक्त राष्ट्र फॉर्स कमांडर, सीरिया) मानद अतिथि थे।

सर सैयद हॉल–नॉर्थ में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, श्री गयासुद्दीन अहमद (सचिव और वित्त सलाहकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार) ने आधुनिक दुनिया में सहिष्णुता और विविधता पर सर सैयद के विचारों के महत्व पर चर्चा की। सर सैयद हॉल–साउथ में समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, डॉ. सैयद मोहसिन अल्वी (उपस्थित चिकित्सक, यूमास मेमोरियल हेल्थ, साउथ ब्रिज, एमए) ने बताया कि कैसे सर सैयद ने मुस्लिम अभिजात वर्ग को अपने शैक्षिक आंदोलन को समर्थन देने के लिए राजी किया।

जेएन मेडिकल में बाल दिवस मनाया गया

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के अंतर्गत जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र और उत्कृष्टता केंद्र (डीईआईसी–सीओई) द्वारा राष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर डीईआईसी में उपचार के लिए आने वाले बच्चों के लिए बाल दिवस कार्यक्रम के तहत कई प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर, मुख्य अतिथि, प्रोफेसर हारिस मंजूर खान, प्रिंसिपल और सीएमएस, जेएनएमसीएच ने बताया कि प्रत्येक बच्चा अद्वितीय है और हमें प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता को पहचानना चाहिए और उनके साथ उच्चतम स्तर की करुणा और देखभाल के साथ व्यवहार करना चाहिए। प्रोफेसर खान ने प्रोफेसर कामरान अफजल, संयोजक और डॉ. उज्मा फिरदौस, नोडल अधिकारी, डीईआईसी–सीओई के साथ बच्चों को पुरस्कार वितरित किए।

अखिलेश-ओवैसी के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने पर जवाब दाखिल

वाराणसी,(संवाददाता)। वाराणसी में ज्ञानवापी मामले में बयानबाजी पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी सहित 2000 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग पर आज सुनवाई हुई। वाराणसी के अपर सत्र न्यायाधीश नवम विनोद यादव केस की सुनवाई करेंगे। असदुद्दीन ओवैसी को ओर से अधिवक्ता एहतेशाम आब्दी और शवनवाज परवेज ने कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया है, जज उसके अलावा सभी पक्षों को सुनेंगे। प्रतिवादी अखिलेश यादव की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव ने पक्ष रखा, लिखित जवाब दाखिल किया वहीं वादी यानी हरिशंकर पांडेय थ्प्त दर्ज करने की मांग की है। कोर्ट ने शेष लोगों को तलब करते हुए 20 नवंबर तक जवाब मांगा है। अपर जिला जज (नवम) की अदालत में प्रतिवादी पक्ष यानी अखिलेश यादव, असदुद्दीन ओवैसी पर सिविल कोर्ट के एडवोकेट हरिशंकर पांडेय का आरोप है कि वजूखाने में मिले कथित शिवलिंग को लेकर इन लोगों ने धार्मिक भावनाएं आहत करने वाला बयान दिया था। अखिलेश यादव कहा था, पीपल के पेड़ के नीचे पत्थर रख कर झंडा लगा दो तो वही भगवान और शिवलिंग हैं। जबकि असदुद्दीन ओवैसी ने कहा था, हम अब किसी और मस्जिद को खोने नहीं देंगे, ज्ञानवापी फैसला पूजा स्थल अधिनियम 1991 के खिलाफ है। ये भविष्य में ऐसे बहुत से मसलों को खोल देगा। देश में अस्थिर प्रभाव पैदा कर सकता है। हरिशंकर पांडेय के अनुसार दोनों नेताओं ने इस तरह के बयान देकर हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया है। इसको लेकर हरिशंकर पांडेय ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। इसमें कहा था, पूज्य शिवलिंग जहां मिला है, वहां हाथ–पैर धोए जाने, थूकने और गंदा पानी बहाने से असंख्य सनातन धर्मियों का मन पीड़ा से भरा है। आरोपियों ने साजिश के तहत स्वयंभू आदि विश्वेश्वर के शिवलिंग को फव्वारा कह कर सनातन धर्मियों की आस्था पर कुठाराघात और आमजन में विद्वेष फैलाने का काम किया है। वकील हरिशंकर पांडेय ने अखिलेश यादव और असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी समेत अन्य पर एसीजेएम (एमपी–एमएलए) कोर्ट में एक वाद दाखिल किया था। बयानबाजी मामले में चौक थाने पर मुकदमा दर्ज करने की मांग को 4 फरवरी को एसीजेएम एमपी–एमएलए कोर्ट ने निरस्त कर दिया था। जिसके बाद हरिशंकर पांडेय अखिलेश और ओवैसी के बयान के खिलाफ 11 मार्च को जिला जज की कोर्ट में रिवीजन पिटिशन (पुनरीक्षण याचिका) दाखिल किया था। इसे स्वीकार कर पहली सुनवाई 25 मार्च को हुई, फिर 17 जून, 7 जुलाई और 20 जुलाई, 16 अगस्त, 22 अगस्त, 12 सितंबर, 6 अक्तूबर 16 अक्तूबर, 16 नवंबर को सुनवाई हुई। अब अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी।

मुस्लिम परिवार 4 पीढ़ी से बना रहा रावण,पहले जाते थे गुजरात-महाराष्ट्र, मिलते थे कई गुना रुपए

अलीगढ़,(संवाददाता)। जिले में बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व विजयदशमी, हर साल धूमधाम से मनाया जाता है। रावण के पुतले का दहन किया जाता है और लोग खुशियां मनाते हैं। लेकिन इस खुशी के पीछे एक मुस्लिम परिवार की मेहनत होती है, जो लगातार एक महीने तक मेहनत करके दशहरे के लिए रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले तैयार करता है। यह परिवार पिछले 5 सालों से लगातार अलीगढ़ आ रहा है। इस परिवार में पिछली चार पीढ़ियों से रावण के पुतले बनाने का काम कर रहा है। पहले यह परिवार गुजरात और महाराष्ट्र जाता था। जहां कई गुना रुपए मिलते थे। मगर अब अलीगढ़ में लोगों के प्यार और स्नेह पाकर बाहर नही जाता है। अलीगढ़ के दशहरा महोत्सव के लिए 67 वर्षीय अशफाक अपने बेटे, बहू और परिवार के 14 लोगों के साथ मिलकर रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले तैयार कर रहे हैं। अशफाक ने बताया कि वह बचपन से ही पुतले तैयार करने का काम कर रहे हैं। यह काम उन्होंने अपने दादा और पिता के साथ रहकर सीखा था। अशफाक ने बताया कि उनके यहां चार पीढ़ियों से पुतले बनाने का काम हो रहा है। उनके दादा के पिता पुतले तैयार किया करते थे। जिसके बाद उनके दादा हाकम अली ने पुतले बनाने शुरू किए और उनके पिता गफूर को पुतले बनाने का काम सिखाया। फिर उनके पिता गफूर ने उन्हें पुतले बनाने का काम सिखाया। अब उन्होंने भी यह हुनर अपने बेटों और परिवार को दिया है। मूल रूप से बुलंदशहर के डिबाई के रहने वाले अशफाक बताते हैं कि वह पहली बार 2019 में अलीगढ़ में पुतले बनाने आए थे। इससे पहले वह दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, नागपुर, बड़ोदरा, कानपुर और अन्य शहरों में पुतले बनाने के लिए जाया करते थे। उनके साथ उनका परिवार भी जाता था। पहली बार जब वह पुतले बनाने के लिए अलीगढ़ आए तो यहां उन्हें मेला कमेटी ने काफी प्यार और सम्मान दिया। इसके बाद से उन्होंने दूसरे राज्यों का ठेका लेना छोड़ दिया। 2020 में कोरोना के दौरान उन्हें किसी ने नहीं बुलाया था, लेकिन अलीगढ़ की कमेटी ने उन्हें बुलाया और सारी सुविधाएं दी। जिसके बाद से उन्होंने मन बना लिया कि अब हर साल यहीं काम करेंगे। अशफाक ने बताया कि दूसरे राज्यों में जाकर पुतले बनाने में उन्हें 12–15 लाख रुपए आसानी से मिल जाते हैं। इसके साथ ही उन्हें वहां रहने और खाने की भी सुविधा दी जाती है। लेकिन अलीगढ़ में उन्होंने सिर्फ 3.80 लाख रुपए में पुतले बनाने का ठेका लिया है। उनका छोटा भाई इदरीश और बेटा शकील अपने परिवार के साथ उनके साथ काम कर रहे हैं। 4 मजदूर बाहर के भी रखे हैं, जो पुतला बनाने में उनकी मदद करते हैं। उन्होंने बताया कि अलीगढ़ में उन्हें ज्यादा रुपए तो नहीं मिलते, लेकिन यहां जैसा मान–सम्मान उन्हें कहीं और नहीं मिला। यहां हिंदू और मुस्लिम का भेदभाव न करते हुए उन्हें पूरा प्यार और सम्मान देते हैं। जबकि उनके दो भाई अपने परिवार के साथ सूरत और वड़ोदरा में पुतले बनाने के लिए गए हैं।

अशफाक ने बताया कि एक पुतला तैयार करने में लगभग 80 हजार रुपए की लागत आती है। इसे तैयार करने के लिए बरेली से बांस लाते हैं। पन्नी और रद्दी दिल्ली से खरीदकर लाते हैं। इसके साथ ही आतिशबाजी और पतंगी कागज दूसरी जगहों से लाया जाता है। लगभग एक महीने की मेहनत के बाद पुतले विजयदशमी पर्व के लिए तैयार हो जाते हैं। अशफाक ने बताया कि इस साल के दशहरे के लिए 65 फुट का रावण का पुतला तैयार किया जा रहा है। वहीं, रावण के भाई कुंभकरण और उसके बेटे मेघनाथ के पुतले 55–55 फुट के तैयार किए जा रहे हैं। सारे पुतले दशहरे से एक दिन पहले ही मैदान में खड़े कर दिए जाएंगे। जिसके बाद दशहरे के दिन 24 अक्टूबर को पुतलों का दहन किया जाएगा। कारीगरों ने बताया कि हर साल उन्हें एक महीने तो पुतले बनाने का काम मिल जाता है। इसके बाद वह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। पुतले बनाने के बाद खेतों में धान काटने का काम या फिर दूसरे तरह की मजदूरी करने का काम करते हैं। इससे ही उनके परिवार का भरण पोषण होता है।

बदला मौसम, सर्दी का एहसास बरसात से तापमान में आई गिरावट

अलीगढ़(संवाददाता)। पूरे प्रदेश में एक बार फिर मौसम बदल गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी सोमवार रात से मौसम में बदलाव देखने का मिला और कई जिलों में बारिश शुरू हो गई। अलीगढ़ में भी सोमवार रात से मौसम बदल गया और ठंडी हवाओं के साथ ही बूंदाबांदी शुरू हो गई। रात होते–होते यह बूंदाबांदी बारिश में बदल गई, जो सारी रात जारी रही। रात में कई इलाकों में काफी तेज बारिश भी देखने को मिली। बारिश सुबह 4 बजे तक लगातार जारी रही। वहीं बेमौसम शुरू हुई बरसात के कारण शहर के कई इलाकों में बिजली भी गुल हो गई, जिसके कारण लोगों को सारी रात परेशान होना पड़ा। अलीगढ़ में शुरू हुई बारिश के कारण लोगों को ठंड का एहसास होने लगा। रात में पंखे में भी लोगों को ठंड महसूस होती रही। वहीं दूसरी ओर तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। बारिश के कारण सोमवार को अलीगढ़ का अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों की माने तो अभी आने वाले दो तीन दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा और बारिश होगी। जिसके कारण तापमान में और गिरावट देखने को मिलेगी और लोगों को ठंडक का एहसास शुरू हो जाएगा। हालांकि यह बरसात खेतों में पककर कटने के लिए तैयार फसलों के लिए खराब मानी जा रही है। अगर मूसलाधार बरसात हुई तो किसानों को परेशानी उठानी पड़ सकती है। अलीगढ़ में अक्सर लोगों को हल्की बरसात के बाद ही जल भराव का सामना करना पड़ जाता है। यही हाल सोमवार रात को भी देखने को मिला। कुछ ही देर बारिश होने के बाद ही शहर की पॉश कालोनियों में पानी भर गया और लोग परेशान होते नजर आए। शहर की विद्यानगर, दुर्गावाड़ी, बेगपुर, स्वर्ण जयंती नगर, किशनपुर तिराहा, आर्यनगर, समेत विभिन्न निचली कालोनियों में पानी भर गया और लोग परेशान होते रहे।

अराजकतत्व ने खंडित किया शिवलिंग,भारी संख्या में जुटे ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

उरई/जालौन,(संवाददाता)। जालौन में दीपावली के बाद इलाके में माहौल खराब करने का प्रयास किया गया। यहां अराजक तत्व ने प्राचीन शिवलिंग को खंडित कर दिया। महिलाएं सुबह मंदिर में पूजा करने पहुंचे तो शिवलिंग खंडित देखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना अन्य लोगों को दी। सूचना मिलते ही गांव में तनाव का माहौल हो गया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और इस घटना को अंजाम देने वाले अराजक तत्व को गिरफ्तार करते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। कालपी कोतवाली क्षेत्र के जयरामपुर का है। जयरामपुर में बरसों पुराना एक मंदिर बना हुआ है, जहां शिवलिंग स्थापित है। जहां देर रात अराजक तत्व ने शिवलिंग को खंडित कर दिया और उसे उखाड़ ले गये। इसकी जानकारी सुबह के वक्त हुई जब मंदिर पर जल चढ़ाने के लिए गांव की महिलाएं पहुंची थी, यहां शिवलिंग को उखड़ा हुआ महिलाओं ने देखा तत्काल इसकी जानकारी अन्य ग्रामीणों को दी। शिवलिंग खंडित और उखड़े होने की सूचना मिलते ही गांव के लोग मौके पर पहुंचे और वहां तनाव पूर्ण माहौल हो गया। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाया, मगर गांव के लोग कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे, इसके बाद पुलिस ने यह पता लगाने का प्रयास किया कि यह शिवलिंग किसके द्वारा खंडित किया गया। जांच में गांव के ही राजा बाबू पुत्र सीताराम अहिरवार का नाम सामने आया। जिसे पुलिस ने तत्काल उसे हिरासत में ले लिया, साथ ही आरोपी के पिता और भाई को भी कोतवाली ले आई।

सनी लियोनी बोलीं-आध्यात्मिक स्क्रिप्ट वाली फिल्में मिली तो जरूर करूंगी

वाराणसी,(संवाददाता)। एक्ट्रेस सनी लियोनी अपने नए थर्ड पार्टी के प्रमोशन के सिलिसले में गुरुवार को वाराणसी पहुंची। उनके साथ को–स्टार और निलबित पूर्व आईएएस अभिषेक सिंह भी थे। दोनों ने एक होटल में प्रेस कांफ्रेंस कर अपने एल्बम के बारें में जानकारी दी। इस दौरान सनी लियोनी ने कहा, वह आज वाराणसी आकर काफी एक्साइटेड हैं। अगर उनके पास कोई आध्यात्मिक स्क्रिप्ट आएगी तो वह जरूर उस फिल्म में काम करना चाहेंगी। उन्होंने भारतीय टीम की जीत पर बधाई देते हुए कहा, टीम इंडिया पर हमें गर्व है। पूर्व आईएएस अभिषेक सिंह ने कहा, सनी लियोनी के साथ मेरा गाना आया है। गाने के बोल हैं मेरी पार्टी में कोई थर्ड पार्टी नहीं। उन्हें उम्मीद है कि फैंस को ये सांग काफी पसंद आएगा। अभिषेक ने एलबम का गाना भी गाकर सुनाया। नाना पाटेकर के थप्पड़ कांड पर कहा, किसी एक्टर पर टिप्पणी करना मेरे लिए ठीक नहीं है। सरकार और कानून को अपना काम करना चाहिए। अभिषेक सिंह ने कहा, हम लोग सनी लियोनी के साथ बनारसी चाय और बनारसी पान का लुत्फ उठाएंगे। इसके बाद श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन–पूजन करने जाएंगे। साथ ही गंगा घाटों का भी सैर करेंगे। शाम को दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती में भी शामिल होंगे। बनारस में हम लोग फुल मस्ती करेंगे। पत्रकारों से बातचीत से पहले होटल में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। जिसको देखते हुए बाहर से पुलिस फोर्स बुलानी पड़ गई। काफी देर की मशक्कत के बाद भीड़ पर काबू पाया जा सका।मेरी पार्टी में कोई थर्ड पार्टी नहीं इस रैप सॉन्ग को अभिषेक सिंह ने खुद गाया है। टी–सीरीज के ऑफिशियल यूट्यूब चौनल ने ये गाना रिलीज किया है। 2 मिनट 53 सेकेंड के इस गाने में अभिषेक सिंह ने ब्लैक ड्रेस के साथ रेड जैकेट कैरी की है साथ कई जगह पार्टीवियर शर्ट में भी नजर आए। जबकि सनी लियोनी रेड कलर की जैकेट में ग्लैमर का तड़का लगाते हुए नजर आ रही हैं। दरअसल अभिषेक ने 15 नवंबर को ट्वीट किया था। जिसमें बताया था कि वह अपने एल्बम के प्रमोशन के सिलसिले में वाराणसी आ रहे हैं। उनके साथ को–स्टार सनी लियोनी भी आ रही हैं। सनी का वाराणसी का ये पहला टूर है। मैं इन्हें बनारसी घाट घुमाऊंगा। उन्हें यहां के मशहूर बनारसी पान खिलाऊंगा।

दुर्घअना में जख्मी युवक की अस्पताल में मौत

बस्ती,(संवाददाता)। जिले में एक युवक को बाइक ने जोरदार टक्कर मार दिया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से युवक को एंबुलेंस से स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुधवार की शाम को शव गांव में पहुंचते ही कोहराम मच गया। नगर पंचायत रुधौली स्थित रघुनाथपुर निवासी 35 वर्षीय तुलसीराम निषाद पुत्र पलटू निषाद गांव के ही सुरेश के साथ पड़री चौराहे की तरफ गए थे। जहां सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य रुधौली पहुंचाया। जहां तुलसीराम की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

जिला अस्पताल में उपचार के दौरान तुलसीराम की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जहां देर शाम को शव गांव में पहुंचते ही कोहराम मच गया। परिवार में रोना पीटना मचा रहा।

संक्षिप्त खबरें

पीएचडी प्रवेश परीक्षा पुनः निर्धारित

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के सामाजिक विज्ञान संकाय के पीएचडी कार्यक्रम 2022–23 में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा पुनर्निर्धारित की गई है और अब यह 22 नवंबर, 2023 के बजाय 23 नवंबर को आयोजित की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा जारी एक नोटिस के अनुसार, शिक्षा, इतिहास, लोक प्रशासन, शारीरिक शिक्षा, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, सामाजिक कार्य, अर्थशास्त्र, मानवाधिकार, जनसंचार, समाजशास्त्र, इस्लामिक अध्ययन, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान और महिला अध्ययन विभागोंध्विषयों के लिए पीएचडी प्रवेश परीक्षा 23 नवंबर, 2023 को आयोजित की जाएगी। योग्य उम्मीदवार परीक्षा तिथि से एक सप्ताह पहले परीक्षा नियंत्रक की वेबसाइट www-amucontrollerexams-com से अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

ऑटो पार्ट्स की दुकान में आग

15 से 20 लाख का सामान जलकर खाक

बांदा,(संवाददाता)। जनपद के बबेरू कस्बे में एक ऑटो पार्ट्स की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। जिससे दुकान के अंदर रखा मशीनरी समान एवं ऑटो पार्ट्स के सामग्री सहित सब कुछ जलकर खाक हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड के जवानों के द्वारा आग पर काबू पाया गया। लेकिन जब तक पूरा सामान जलकर खाक हो गया था। मामला बबेरू कस्बे के औगासी रोड स्थित स्वर्गीय हरिप्रसाद सिंगरौर इंटर कालेज के पास का है। जहां के रहने वाले रामकिशून पुत्र राम निहोर जो गुड्डू ऑटो पार्ट्स की दुकान करता था, बुधवार रात को दुकानदार दुकान बंद करके अपनी पत्नी को लेकर ससुराल नरैनी क्षेत्र के रिढोरा गांव भैया दूज के त्योहार पर गया था।

बुधवार की रात शार्ट सर्किट से गुड्डू ऑटो पार्ट्स की दुकान पर आग लग गई। जैसे ही अगल–बगल के लोगों ने देखा तो फायर बिग्रेड को सूचना दिया। सूचना के बाद तुरंत मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड के जवानों के द्वारा शटर तोड़कर आग बुझाई लेकिन जब तक ऑटो पार्ट्स का रखा सामान मशीन, जनरेटर, मोबी आयल, कंप्रेसर मशीन एवं पार्ट्स के रखे सामान सब कुछ जलकर खाक हो गया। दुकानदार के मुताबिक, नगद रुपया भी जलकर खाक हो गया। दुकानदार के द्वारा 15 से 20 लाख रुपए के नुकसान की बात कही है, वही घटना को देखते हुए फायर ब्रिगेड के सीओ मुकेश कुमार मौके पर पहुंचकर आग के नुकसान का जायजा लिया है।

बुखार से युवक की मौत, डेंगू के चार नए मरीज मिले

बांदा,(संवाददाता)। जिला अस्पताल में भर्ती युवक की बुखार से मौत हो गई। वहीं, डेंगू के चार और मामले सामने आए हैं। चित्रकूट के ओरा पहाड़ी गांव निवासी दीपक (25) को वीरवार सुबह बुखार के चलते जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दोपहर को उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं तेज बुखार और डेंगू के लक्षण संबंधित 18 रोगी जिला अस्पताल पहुंचे। डेंगू की आशंका पर उनकी पैथोलॉजी जांच कराई गई। इनमें शहर के कालूकुआं मोहल्ला निवासी रिकिल तिवारी (22), कटरा मोहल्ला निवासी क्रांति शुक्ला (20), स्वराज कॉलोनी निवासी प्रियांशी (22) व कारागार निवासी हनुमंता (18) को डेंगू की पुष्टि की गई। मरीजों और उनके तीमारदारों को मच्छरदानी का प्रयोग करने की सलाह दी गई। ट्रामा सेंटर के सभी 22 बेड फुल रहे।

मारपीट की घटनाओं में दंपती समेत पांच घायल

बांदा,(संवाददाता)। देहात कोतवाली क्षेत्र के दो अलग–अलग गांवों में हुई मारपीट की घटनाओं में दंपती समेत पांच लोग गंभीर घायल हो गए। सभी का मेडिकल परीक्षण जिला अस्पताल में कराया गया है। देहात कोतवाली के भज्जू का पुरवा निवासी दीपक में शराब के नशे में बुधवार की देर शाम गांव में जमकर उत्पात मचाया। घर में अपनी पत्नी रोशनी (22) को डंडे से पीटकर पड़ोसी के घर में घुस गया। वहां मौजूद पड़ोसी की पत्नी माया (35) को पीट दिया। इसके बाद वह गांव में निकला तो अपनी सब्जी की बारी में जा रहे गांव के रामेश्वर (60) को डंडे से पीट डाला। घायल रामेश्वर ने बताया कि कुछ भी कहासुनी नहीं हुई थी। उसने शराब के नशे में उसे नाहक पीटा है। रामेश्वर की तहरीर पर देहात कोतवाली में आरोपी दीपक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। उधर, इसी कोतवाली क्षेत्र के जारी गांव में बुधवार की रात पुत्र ने अपने पिता टेरूवा (60) व मां मुन्नी (55) पर जानलेवा हमला बोल दिया। उन्हें डंडे से मारा पीटा। घायल टेरूवा ने बताया कि शराब के नशे में उसके पुत्र ने ही उन्हें मारा पीटा है। पिता की तहरीर पर आरोपी पुत्र रामहित के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जन नायक सम्राट के लिये जिला ब्यूरो चीफ, मण्डल ब्यूरो चीफ, ब्लॉक ब्यूरो एवं संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें–
अमित कुमार वर्मा
सम्पादक
मो. 8218049162, 8273402499

जन नायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस, अचल ताल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित।

सम्पादक
अमित कुमार वर्मा

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायालय ही होगा।